Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-17, अंक-23 01-15 दिसंबर, 2022 (पाक्षिक) ₹20

'विकास के गुजरात मॉडल ने देश को भी प्रगति की नई राह पर अग्रसर किया है'

'विकास पथ पर सबसे आगे है गुजरात'

रोजगार मेला: मिशन मोड में केन्द्र सरकार

'नवशक्ति समावेश', बेल्लारी (कर्नाटक)

शाहेरा में 22 नवंबर, 2022 को विशाल 'विजय संकल्प रैली' के दौरान गुजरात भाजपा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का किया स्वागत

बेल्लारी (कर्नाटक) में 20 नवंबर, 2022 को 'नवशक्ति समावेश' के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

दिल्ली में 20 नवंबर, 2022 को एक रोड शो के समापन अवसर पर दिल्ली भाजपा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का किया स्वागत

अहमदाबाद में 16 नवंबर, 2022 को गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल के नामांकन दाखिल करने के दौरान एक विशाल रोड शो में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

गुजरात में 20 नवंबर, 2022 को विशाल 'विजय संकल्प रैली' को संबोधित करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

उत्तम नगर (नई दिल्ली) में 20 नवंबर, 2022 को 'विजय संकल्प रोड शो' के दौरान रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 हमने औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल माहौल बनाया और गुजरात में शांति स्थापित की: नरेन्द्र मोदी

गुजरात में बंदरगाहों और समुद्री उद्योग के विकास के बारे में बात करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "हमने मछुआरों के साथ-साथ किसानों को भी सुविधा प्रदान करने के लिए हजारों करोड़ रुपये की सागरखेडू योजना शुरू की है...

08 विकास के गुजरात मॉडल ने देश को भी प्रगति की नई राह पर अग्रसर किया है: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 18 नवंबर, 2022 को गुजरात के...

10 गुजरात में भाजपा शासन ने कल्याणकारी शासन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है : अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति में गुजरात के...

30 भारत जी20 का अध्यक्ष बना

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17वें जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 14-16 नवंबर के दौरान इंडोनेशिया स्थित बाली का दौरा किया। बाली शिखर सम्मेलन के दौरान श्री मोदी ने...

33 'काशी और तमिलनाडु हमारी संस्कृति और सभ्यताओं के कालातीत केंद्र हैं'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 नवंबर को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक महीने...

वैचारिकी

सामूहिकता का भाव / **पं. दीनदयाल उपाध्याय** 22

श्रद्धांजलि

'सरदार पटेल अपने कामों से ही अजर-अमर और अटल हैं' 24

अन्य

भारत को भव्य आदिवासी विरासत से सीखकर अपने भविष्य को आकार देना है: नरेन्द्र मोदी 12

आदिवासी समाज को विकास की मुख्यधारा में लाने का काम केवल और केवल भाजपा ने किया है : जगत प्रकाश नड्डा 14

'भाजपा सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी विकास में विश्वास रखती है' 15

भाजपा ओबीसी मोर्चा की एकदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित 16

कमल पुष्प: केजी मारार 16

दिल्ली नगर निगम चुनाव में एक बार पुनः कमल खिलेगा : जगत प्रकाश नड्डा 17

भारत ने नेटवर्क रेडीनेस इंडेक्स 2022 में छह स्लॉटों में सुधार किया 18

'पीएम किसान योजना' ने 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता प्रदान की 19

रोजगार मेले 21

मोदी स्टोरी: सौरभ पटेल 26

'केवल जीरो टॉलरेंस का दृष्टिकोण ही आतंकवाद को पराजित कर सकता है' 27

सदियों से समुद्र भारत के लिए समृद्धि का स्रोत रहा है: नरेन्द्र मोदी 29

कॉप 27 में भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य 32

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

अब लद गए खाद को लेकर किसानों से होनेवाली धोखाधड़ी के दिन! देशभर में अब सिर्फ भारत ब्रांड का यूरिया मिलेगा। ये इस बात का प्रमाण है कि हमारे किसानों, विशेष रूप से छोटे किसानों के लिए हम किस स्तर पर सुधार में जुटे हैं। (12 नवंबर, 2022)

जगत प्रकाश नड्डा

गुजरात की धरा देश की राजनीति को नया आयाम देनेवाली गंगोत्री रही है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सर्वांगीण विकास को जन-जन तक पहुंचाया है। मैं आश्वस्त हूं कि प्रदेश की जनता भाजपा के साथ है। (19 नवंबर, 2022)

अमित शाह

भाजपा ने गुजरात की जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में कोई कमी नहीं छोड़ी। कांग्रेस काल में गुजरात में साल में 250 दिन कर्फ्यू लगता था, वहीं भाजपा के राज में लोग कर्फ्यू का नाम भी भूल गए। श्री नरेन्द्र मोदी जी ने गुजरात में कानून-व्यवस्था की एक अभेद्य दीवार खड़ी करने का काम किया। (14 नवंबर, 2022)

राजनाथ सिंह

भारतीय इतिहास की महान वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की जयंती के अवसर पर मैं उन्हें नमन करता हूं। वे वीरता, शौर्य और पराक्रम की पराकाष्ठा थीं। उन्होंने भारतीय स्वाधीनता संग्राम के अनेक सेनानियों को भारत माता को दासता से मुक्ति दिलाने की प्रेरणा दी। उनका जीवन हर भारतवासी के लिए प्रेरणा है। (19 नवंबर, 2022)

बी.एल. संतोष

जब पार्टी के शीर्ष नेता अपने कार्यक्रम से पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए कुछ समय निकालते हैं, तो उनसे सामान्य कार्यकर्ताओं को जीवन भर की प्रेरणा मिलती है। एक संगठन के रूप में भाजपा सौभाग्यशाली है। हमारी एक विचारधारा है और एक मार्गदर्शक भी है। (20 नवंबर, 2022)

सुधा यादव

मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'आत्मनिर्भरता' के संकल्प को मूर्त रूप देते हुए इसरो ने आज अंतरिक्ष में इतिहास रच दिया है। श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर में देश का पहला प्राइवेट रॉकेट 'विक्रम-एस' का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया गया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए इसरो के सभी वैज्ञानिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। (18 नवंबर, 2022)

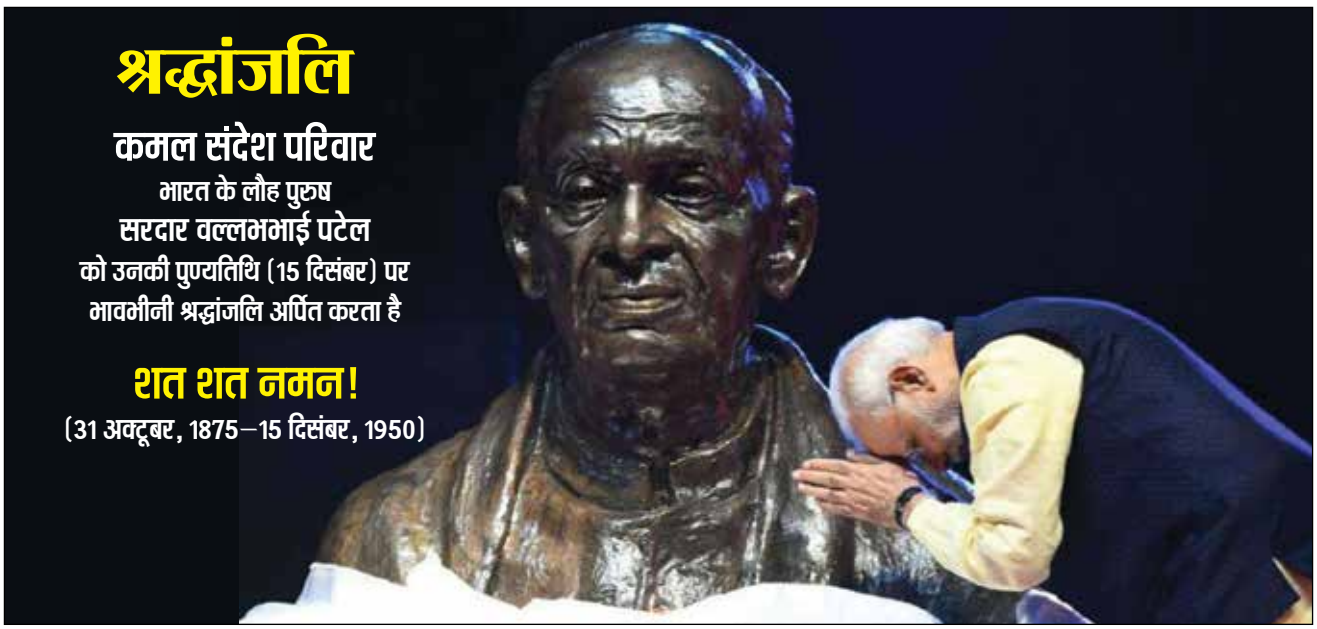

संपादकीय

'नए भारत' के स्वप्न को 'नई शक्ति' मिल रही है

एक ओर जहां हिमाचल प्रदेश में मतदाताओं ने विधानसभा चुनाव के दिन भारी संख्या में मतदान किया, वहीं दूसरी ओर गुजरात विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार हर दिन तेज होता जा रहा है। जैसे-जैसे मतदान के दिन करीब आ रहे हैं, लोग बड़ी संख्या में चुनाव-प्रचार में भागीदारी कर रहे हैं। पूरे प्रदेश में भाजपा के प्रति जन-जन का समर्थन स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। पिछले तीन दशकों से गुजरात की जनता भाजपा को अपना भरपूर आशीर्वाद एवं प्यार दे रही है तथा पार्टी की नीतियों, कार्यक्रमों एवं नेतृत्व के प्रति अपना अटूट विश्वास व्यक्त कर रही है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी के सुदृढ़ एवं दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेश ने हर क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन देखा है। परिणामस्वरूप आज गुजरात अकल्पनीय ऊंचाइयों को छूते हुए बहुत कम समय में पूरे विश्व में चर्चित हुआ है। गुजरात के सबसे लंबे समय के मुख्यमंत्री के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी को प्रदेश के राजनैतिक वातावरण को परिवर्तित कर तीव्र विकास एवं सर्वांगीण प्रगति की राजनीति शुरू करने का श्रेय जाता है। जहां श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निर्मित 'गुजरात मॉडल' ने पूरे देश को प्रेरित किया है, वहीं भाजपा सरकार के नेतृत्व में प्रदेश विकास के नए आयामों को गढ़ते हुए निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। आज जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणादायी मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात विकास के विभिन्न मानदंडों पर नए रिकॉर्ड बना रहा है, प्रदेश की जनता पुनः रिकॉर्ड अंतर से भाजपा की सरकार बनाने का मन बना चुकी है।

> 'रोजगार मेला' के माध्यम से युवाओं को बड़े अवसर मिल रहे हैं। सरकारी क्षेत्रों में 10 लाख रोजगार देने का प्रयास अब मिशन मोड में किया जा रहा है

आज जब देश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई अभिनव पहलों के साथ वैश्विक मंचों पर अपनी छाप छोड़ रहा है, भारत जी-20 देशों के अध्यक्ष के रूप में विकासशील देशों के हितों को संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कॉप-27 में भाग लेते हुए जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधित विषयों पर भारत अब अग्रणी भूमिका में है। इसी क्रम में शर्म-अल-शेख में 'इन आवर लाईफ टाइम' अभियान का भी शुभारंभ हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद, आतंकियों की फंडिंग, कालाधन, मनी लॉन्ड्रिंग जैसे विषयों को निरंतर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाकर उन्हें वैश्विक एजेंडा पर लाने में सफल हुए हैं। भारत में 'नो मनी फॉर टेरर' (एनएमएफटी) का सचिवालय खोलने के प्रस्ताव से आतंकवादियों के फंडिंग पर रोक लगाने के वैश्विक प्रयास निश्चित रूप से मजबूत होंगे। स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा भारत में पहली बार निजी क्षेत्र द्वारा विकसित विक्रम सबऑर्बिटल (वीकेएस) के सफलतापूर्वक प्रक्षेपण से वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में भारत के 8 प्रतिशत भागीदारी को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का सपना अब साकार होना संभव हुआ है। वर्ष 2025 तक 60,000 उपग्रह के प्रक्षेपण के लक्ष्य को वैश्विक अंतरिक्ष व्यापार में निजी क्षेत्र की भागीदारी से संभव हो सकता है। भारतीय वैज्ञानिक, अनुसंधानकर्ता, युवा प्रतिभा, अभिनव स्टार्टअप्स और उद्यमी विभिन्न क्षेत्र में भारत का मस्तक ऊंचा कर रहे हैं एवं वैश्विक स्तर पर अपनी छाप छोड़ रहे हैं।

आज जब भारत देश के कमजोर वर्गों की चिंता करते हुए आगे बढ़ रहा है, नए अवसरों के निर्माण के प्रयास तथा किसान, मजदूर, गरीब, महिला एवं युवा के सशक्तीकरण से देश में आशा की नई किरण जगी है। एक ओर जहां किसानों के खातों में 'पीएम किसान सम्मान निधि' की 12वीं किस्त जा चुकी है, खाद में अभूतपूर्व सब्सिडी दी जा रही है। तथा एमएसपी के अंतर्गत भारी खरीद हो रही है, वहीं दूसरी ओर 'रोजगार मेला' के माध्यम से युवाओं को बड़े अवसर मिल रहे हैं। सरकारी क्षेत्रों में 10 लाख रोजगार देने का प्रयास अब मिशन मोड में किया जा रहा है। उद्यमशील युवाओं के लिए अनेक नए अवसरों के निर्माण से 'नए भारत' के स्वप्न को 'नई शक्ति' मिल रही है। 'पंच प्रण' के नए संकल्प से 'अमृतकाल' में आज जब देश आगे बढ़ रहा है, देश के कोने-कोने में भारत के लिए बढ़ता जनसमर्थन स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। हिमाचल प्रदेश एवं गुजरात के चुनाव-प्रचार में जनता का अद्भुत प्यार एवं आशीर्वाद को देखकर यह कहा जा सकता है कि इन प्रदेशों में भारी बहुमत से भाजपा सरकार बनना तय है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

गुजरात विधानसभा चुनाव-प्रचार

हमने औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल माहौल बनाया और गुजरात में शांति स्थापित की: नरेन्द्र मोदी

गुजरात विधानसभा चुनाव-प्रचार इन दिनों जोरों पर है। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश में सशक्त प्रचार अभियान चला रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी विभिन्न रैलियों एवं रोड शो के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी के चुनावी अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। पहले चरण के मतदान से पूर्व श्री नरेन्द्र मोदी ने 20 नवंबर, 2022 को गुजरात के वेरावल, धोराजी, अमरेली और बोटाड में कई जनसभाओं को संबोधित किया। इन रैलियों के दौरान जनता से संवाद करते हुए श्री मोदी ने इन बात को जनता के समक्ष रखा कि कैसे लोग गुजरात को पूर्व की स्थितियों के कारण कम आंकते थे और कैसे आज गुजरात नई उंचाइयों को छू रहा है

वेरावल

'भाजपा सरकार को सबसे ज्यादा मां-बहन-बेटियों की चिंता'

गुजरात में बंदरगाहों और समुद्री उद्योग के विकास के बारे में बात करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "हमने मछुआरों के साथ-साथ किसानों को भी सुविधा प्रदान करने के लिए हजारों करोड़ रुपये की सागरखेडू योजना शुरू की है।" प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि गुजरात और केंद्र की डबल इंजन सरकार के कारण हमने देश के किसान को सहायता प्रदान करने के हेतु मत्स्य पालन के लिए एक अलग मंत्रालय बनाया है।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस के लोगों ने दशकों तक गुजरात की स्वास्थ्य जरूरतों और बुनियादी ढांचे की उपेक्षा की और लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया, लेकिन भाजपा सरकार के शासनकाल में स्वास्थ्य ढांचे के पूरे तंत्र को पुनर्जीवित किया गया है। उन्होंने कहा, "भाजपा सरकार को सबसे ज्यादा मां-बहन-बेटियों के जीवन और उनके स्वास्थ्य की चिंता है।"

धोराजी

'विकास के मामले में सबसे आगे है गुजरात'

धोराजी में अपनी दूसरी रैली को संबोधित करते हुए श्री नरेन्द्र मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि गुजरात आज विकास, निवेश, विनिर्माण और निर्यात में सबसे आगे है और इसका श्रेय गुजरात के मेहनती लोगों को जाता है। उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि कैसे गुजरात दशकों से पानी की कमी से परेशान था और कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने इन मुद्दों को पूरी तरह से नजरअंदाज

किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुजरात में जल संकट को हल करने के लिए भाजपा सरकार द्वारा किए गए कार्यों से प्रदेश में समृद्धि आई है। विपक्ष की भ्रांतियों का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दोहराया कि कैसे आज कांग्रेस गुजरात में विकास का विरोध करने वालों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। श्री मोदी ने अंत में इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे 'आत्मनिर्भर गुजरात' 'आत्मनिर्भर भारत' की कुंजी है और कहा, "उद्यमिता गुजरात की ताकत है..., पिछले 20 वर्षों में हमने औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाया और शांति स्थापित की।"

अमरेली

'भाजपा ने गुजरात के कृषि क्षेत्र की तस्वीर बदली'

चुनाव प्रचार अभियान को जारी रखते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के अमरेली में अपनी तीसरी विशाल रैली को संबोधित किया। उन्होंने अमरेली के लोगों से सभी मतदान केंद्रों पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को विजयी बनाने की अपील की। प्रधानमंत्री ने भाजपा सरकार के शासन में गुजरात के कृषि क्षेत्र की बदली हुई तस्वीर पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "आज गुजरात में कृषि विकास दर वर्षों से दोहरे अंकों में बनी हुई है। हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसानों को पर्याप्त और सस्ता यूरिया मिले। सरकार जो एक बोरी यूरिया विदेश से खरीदती है, उसकी कीमत 2 हजार रुपए आती है, लेकिन सरकार किसानों को वही एक बोरी 270 रुपये से कम में उपलब्ध करा रही है।"

प्रदेश के एक महान सपूत को याद करते हुए श्री मोदी ने कहा, "मैं आपको एक और उदाहरण देता हूं कि कैसे भाजपा सरकार आपकी भावनाओं का सम्मान करती है। मजदार गांव को कागधाम में बदलने का गौरव और सौभाग्य हमारी सरकार को मिला है।' काग बापू को यही सच्ची श्रद्धांजलि है, लेकिन दुःख की बात है कि कांग्रेस ने कभी ऐसा करने के बारे में नहीं सोचा। मैंने अमरेली में अपने सद्भावना उपवास के दौरान इसकी घोषणा की थी।"

बोटाड

'गुजरात और भाजपा के बीच अटूट संबंध'

बोटाड में एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "बोटाड की जनता और पूरे सौराष्ट्र के लोगों का मूड बता रहा है कि आगामी चुनाव में विपक्ष के हाथ फिर से निराशा लगेगी और गुजरात विधानसभा चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ेगा। गुजरात में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनने जा रही है। गुजरात और भाजपा का रिश्ता अटूट है, क्योंकि ये रिश्ता विकास और भरोसे का है। मेरा जनसंघ के दिनों से बोटाड से संबंध रहा है।

प्रमुख बिंदु

- मछुआरों के साथ-साथ किसानों को भी सुविधा देने के लिए हमने हजारों करोड़ रुपये की लागत से सागरखेडू योजना शुरू की है।
- 'आत्मनिर्भर गुजरात' 'आत्मनिर्भर भारत' की कुंजी है।
- गुजरात में कृषि विकास दर वर्षों से दोहरे अंक में बनी हुई है।
- 'डबल इंजन' सरकार के तहत स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हुआ है।
- गुजरात ने देश के लोकतंत्र को एक नई संस्कृति दी है।
- हमारा जोर बहन-बेटियों के रोजगार और स्वरोजगार पर है।
- 'सखी मंडलों' को सशक्त बनाया जा रहा है।

पहले दादा, पिता और अन्य के नाम पर वोट मांगा जाता था। फिर समय आया, जाति और धर्म के नाम पर वोट मांगे गए। भाजपा ने ही राजनीति में विकास को प्रमुख मुद्दे के तौर पर स्थापित किया है। भाजपा ने अन्य पार्टियों को विकास पर वोट मांगने के लिए मजबूर किया है।

श्री मोदी ने भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं को भी बताया किया। उन्होंने कहा, "डबल इंजन सरकार के तहत स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हुआ है। 20 साल पहले गुजरात में सिर्फ 11 मेडिकल कॉलेज थे, आज राज्य में 36 मेडिकल कॉलेज हैं। 20 साल पहले गुजरात में 4 डेंटल कॉलेज थे, आज गुजरात में 13 डेंटल कॉलेज हैं।" प्रधानमंत्री ने लोगों से हर मतदान केंद्र पर भाजपा को जिताने की भी अपील की।

सुरेंद्रनगर

'गुजरात ने देश के लोकतंत्र को एक नई संस्कृति दी है'

अपने चुनाव प्रचार अभियान को जारी रखते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 21 नवंबर, 2022 को सुरेंद्रनगर, गुजरात में जनसभाओं को संबोधित किया। प्रदेश में भाजपा के पक्ष में लहर पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने कहा, "गुजरात ने देश के लोकतंत्र को एक नई संस्कृति दी है। आजादी के बाद के दशकों में जब भी चुनाव हुए सत्ता विरोधी लहर की खूब चर्चा हुई, लेकिन गुजरात ने इस परंपरा को प्रो-इंकंबेंसी में बदल दिया।"

प्रधानमंत्री ने गुजरात के डेयरी क्षेत्र के विकास को रेखांकित करते हुए कहा, "20 साल पहले गुजरात में 60 लाख मीट्रिक टन दूध का उत्पादन होता था। जो आज ढाई गुना से ज्यादा बढ़कर करीब 175 लाख मीट्रिक टन हो गया है। लोगों ने मुझे बताया कि यहां की सूरसागर डेयरी उनके लिए सुखसागर बन गई है। श्री मोदी ने गुजरात के शिक्षा से संबंधित बुनियादी ढांचे के बारे में भी बात की, जो भाजपा सरकार के शासन में मजबूत हुआ है। ■

गुजरात विधानसभा चुनाव-प्रचार

विकास के गुजरात मॉडल ने देश को भी प्रगति की नई राह पर अग्रसर किया है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने गुजरात के नवसारी, अंकलेश्वर, आनियाद क्रॉस रोड (शेहरा), सरदार चौक (चाणस्मा) और देथली क्रॉस रोड (सिद्धपुर) में आयोजित विशाल जनसभाओं को संबोधित किया और कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी गुजरात विधानसभा चुनाव में इस बार सारे रिकॉर्ड तोड़ेगी और ऐतिहासिक बहुमत से पुनः सरकार का गठन करेगी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 18 नवंबर, 2022 को गुजरात के नवसारी और अंकलेश्वर में आयोजित विशाल जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि गुजरात महात्मा गांधी और सरदार पटेल की धरती है। पूज्य बापू ने सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाते हुए देश की स्वातंत्र्य गाथा लिखी तो लौह पुरुष सरदार पटेल ने पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधा। अब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कालजयी नेतृत्व में गुजरात देश और दुनिया को आगे बढ़ने की राह दिखा रहा है। हमारे प्रधानमंत्रीजी आधुनिक भारत का नवनिर्माण कर रहे हैं। विकास के गुजरात मॉडल ने न केवल गुजरात की तस्वीर बदली, बल्कि देश को भी प्रगति की नई राह पर अग्रसर किया है।

श्री नड्डा ने गुजरात की विकास की कहानी पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले दिन से ही श्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के विकास के लिए समर्पित रहे हैं। वर्षों से अटकी हुई विकास परियोजनाओं को उन्होंने पूरा कराया। अभी हाल ही में प्रधानमंत्री जी ने भुज में लगभग 4,400 करोड़ रुपये की योजनाओं की आधारशिला रखी। कच्छ में सरदार सरोवर कनाल का काम भी पूरा होने वाला है। सौराष्ट्र में नर्मदा अवतरण योजना के तहत लगभग 18,500 करोड़ रुपये की योजना पर काम जारी है। गुजरात की धरती पर वर्ल्ड क्लास ओलम्पिक स्टेडियम बन रहा है। जामनगर में सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन बन रहा है। राजकोट में लगभग 1,200 करोड़ रुपये की लागत से एम्स का निर्माण हो रहा है। विद्या समीक्षा केंद्र से स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति 26 प्रतिशत बढ़ गई है।

गुजरात की विकास की कहानी की चर्चा को आगे बढ़ाते हुए श्री नड्डा ने कहा कि आज गुजरात पावर जेनरेशन में दूसरे स्थान पर, गुड गवर्नेंस इंडेक्स में पहले स्थान पर, लॉजिस्टिक परफॉरमेंस में पहले स्थान पर और स्वच्छता सर्वे में दूसरे स्थान पर है। देश में सोलर पावर पॉलिसी बनाने वाला पहला राज्य गुजरात है। गुजरात एफडीआई इनफ्लो, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और एक्सपोर्ट में भी काफी आगे है। स्कूलों में ड्रॉप-आउट रेशियो भी 30 प्रतिशत से घटकर 2 प्रतिशत के नीचे आ चुका है। मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर भी गुजरात में काफी कम है। गुजरात में पहले केवल 11 मेडिकल कॉलेज थे, जो अब बढ़कर 36 हो गया है। पहले गुजरात में एमबीबीएस की केवल

1,000 सीटें थीं जो अब बढ़कर 6,000 से अधिक हो गई हैं। कुछ समय पहले ही प्रधानमंत्रीजी ने मेहसाणा में ही देश के पहले सोलर विलेज का श्रीगणेश किया है। गुजरात चिप निर्माण के सेक्टर में भी एक महत्वपूर्ण हब बननेवाला है। गुजरात ओडीएफ स्टेट है। यहां गांव-गांव, घर-घर बिजली पहुंचाई जा चुकी है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना से प्रदेश के लगभग 3 करोड़ लोगों को लाभ मिल रहा है। जन-धन योजना से भी लगभग 1.70 करोड़ लोग जुड़े हुए हैं। किसान सम्मान निधि से यहां के किसान लाभान्वित हो रहे हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि सन 2000 में गुजरात की जीडीपी महज 99 हजार करोड़ रुपये थी, जबकि आज गुजरात की जीडीपी लगभग 19.80 लाख करोड़ रुपये है। सरदार पटेल के सम्मान में दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी गुजरात में है। देश के कई प्रदेशों में भू-जल का स्तर गिर रहा है, लेकिन गुजरात में भू-जल का स्तर लगभग 67 प्रतिशत ऊपर उठा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अभी हाल ही में गुजरात में लगभग 43,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की है। गुजरात सरकार ने कुछ समय पहले ही राज्य के 10 हजार युवाओं को रोजगार दिया है। एक वर्ष के भीतर गुजरात में लगभग 35,000 युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। गुजरात में लगभग 36 लाख माताओं को गैस कनेक्शन मिला है, लगभग 1.70 करोड़ बैंक खाते खुले हैं, लगभग 97 प्रतिशत घरों को टैप वाटर कनेक्शन से जोड़ा जा चुका है, लगभग साढ़े 10 लाख परिवारों को पक्का मकान मिला है और लगभग 57 लाख से अधिक किसानों को 'किसान सम्मान निधि' का लाभ मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि हम अपने संकल्प पत्र में केवल लिखने के लिए नहीं लिखते हैं, बल्कि हम अपने संकल्प पत्र में जो भी वादा करते हैं, उसे पूरा करके दिखाते हैं। अभी हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रोजगार मेला कार्यक्रम में एक दिन में लगभग 70,000 से अधिक प्रतिभागियों को रोजगार दिया। 'आयुष्मान भारत योजना' के अतिरिक्त गुजरात में मुख्यमंत्री अमृतम योजना में 43 लाख लाभार्थी जुड़े हैं।

उन्होंने कहा कि 2003 में गुजरात में 21 विश्वविद्यालय थे, जबकि आज कई गुना अधिक है। 2002 में गुजरात में लगभग 775 कॉलेज थे, जबकि आज 3,117 कॉलेज हैं। गुजरात में 2003 में 26 इंजीनियरिंग कॉलेज थे, जबकि आज 133 इंजीनियरिंग कॉलेज हैं। गुजरात में 2002 में 31 पॉलिटेक्निक कॉलेज थे, जबकि आज 144 हैं।

शेहरा, चाणस्मा और सिद्धपुर

'आम आदमी पार्टी और कांग्रेस जनता को बरगलाने में लगी रहती हैं'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 22 नवंबर, 2022 को गुजरात के आनियाद क्रॉस रोड (शेहरा), सरदार चौक (चाणस्मा) और देथली क्रॉस रोड (सिद्धपुर) में आयोजित विशाल विजय संकल्प रैलियों को संबोधित करते हुए कहा कि अब आम आदमी पार्टी के झूठ की राजनीति को जनता समझ गई है। इस पार्टी का गुजरात में वही हश्र होगा, जो हश्र उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और गोवा में हुआ था। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में लगभग सभी सीटों पर आम आदमी पार्टी की जमानत जब्त हो गई थी। उत्तराखंड में ये सरकार बनाने का दावा कर रहे थे। स्थिति ये हो गई कि इनके 70 में से 68 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। उत्तराखंड के इनके मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार भी भाजपा में शामिल हो गए हैं। गोवा में भी आम आदमी पार्टी जीतने का दावा कर रही थी, लेकिन वहां भी 39 में से इनके 35 उम्मीदवारों की जमानत जब हो गई। हिमाचल विधानसभा का चुनाव भी आम आदमी पार्टी ने लड़ा है। मैं आपको बता दे रहा हूं कि वहां भी सब के सब सीटों पर इनकी जमानत जब्त होगी। गुजरात में भी इनका यही हाल होगा। हर सीट पर इनकी जमानत जब्त होगी। ये आप का ट्रैक रिकॉर्ड है। आम आदमी पार्टी बैनर बेस्ड पार्टी है, जबकि भाजपा कैडर बेस्ड पार्टी है। लेफ्ट-राईट, लेफ्ट-राईट करने के सिवा आम आदमी पार्टी कुछ भी नहीं कर सकती।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की राजनीति में रिपोर्ट कार्ड की संस्कृति प्रस्थापित की। कांग्रेस पार्टी समस्याओं को लटकाने और भटकाने के साथ-साथ झूठ बोलने और जनता को बरगलाने में लगी रहती है। पहले देश का कृषि बजट महज 27,000 करोड़ रुपये हुआ करता था, आज लगभग 1.24 लाख करोड़ रुपये है। 9 करोड़ लोगों को गैस का मुफ्त कनेक्शन मिला है, 11 करोड़ शौचालय बनाये गए हैं, लगभग तीन करोड़ गरीबों के आवास बनाए गए हैं और लगभग 8 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाया गया है। 10 करोड़ से अधिक किसानों को 'पीएम किसान सम्मान निधि' का लाभ मिल रहा है। सवा दो साल से देश के लगभग 80 करोड़ लोगों को हर महीने पांच-पांच किलो मुफ्त राशन मिल रहा है। ■

गुजरात विधानसभा चुनाव-प्रचार

गुजरात में भाजपा शासन ने कल्याणकारी शासन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है : अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने गुजरात विधानसभा चुनाव के निमित्त अनेक विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित 'विजय संकल्प' जनसभाओं को संबोधित किया और गुजरात की जनता से विकास के प्रति समर्पित प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात में ऐतिहासिक बहुमत से एक बार पुनः डबल इंजन वाली भाजपा सरकार बनाने का आह्वान किया

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति में गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने 16 नवंबर, 2022 को गांधीनगर लोकसभा में शामिल घाटलोडिया विधानसभा क्षेत्र से गुजरात विधानसभा चुनाव हेतु अपना नामांकन दाखिल किया। इससे पहले श्री शाह और गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद के प्रभात चौक में एक भव्य रोड शो किया। श्री शाह ने घाटलोडिया विधानसभा में एक विशाल जनसभा को भी संबोधित किया।

जनता को संबोधित करते हुए श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस झूठा प्रचार कर रही है कि कांग्रेस के काम बोल रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि गुजरात में 27 साल से लगातार जनता के स्नेह और आशीर्वाद से भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। कांग्रेस ने आजादी से लेकर अब तक जनता को गुमराह करने के अलावा कुछ भी नहीं किया है। कांग्रेस ने गरीबों को गरीब बनाए रखने की राजनीति की। कांग्रेस ने कभी भी गरीबों, किसानों, शोषितों, वंचितों, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों और महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए कुछ भी नहीं किया। कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण देश वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सदैव पीछे ही रहा। गुजरात के साथ भी कांग्रेस की केंद्र सरकारों ने दोहरा रवैया अपनाया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात की डबल इंजन वाली भाजपा सरकार ने ऐसी कार्य-संस्कृति बनाई है जहां राज्य का प्रत्येक व्यक्ति 'आत्मनिर्भर' बने और सभी सरकारी सुविधाएं उसके द्वार पर उपलब्ध हों। भारतीय जनता पार्टी ने गुजरात में भयमुक्त शासन दिया है। उन्होंने कहा कि 2022 के चुनाव में सारे रिकॉर्ड टूट जाएंगे। गुजरात में 1995 से 2022 तक के भाजपा शासन ने पूरे देश के लोकतांत्रिक इतिहास में कल्याणकारी शासन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

निझर और डेडियापाड़ा

'गुजरात में बार-बार भाजपा सरकार'

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 20 नवंबर, 2022 को कहा कि गुजरात की जनता के मन में हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लिए जो अगाध प्यार है और भारतीय जनता पार्टी पर जो दृढ़ विश्वास है, उससे निश्चित है कि गुजरात में बार-बार भाजपा सरकार। पहले मुख्यमंत्री और अब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात में शांति, विकास, सुरक्षा और समृद्धि का नया दौर शुरू हुआ है। गुजरात की जनता ने यह दृढ़ निश्चय कर लिया है कि विकास की यह यात्रा रुकनेवाली नहीं है।

श्री शाह ने कहा कि जब हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने आदिवासी भाई-बहनों के लिए 'वन बंधु कल्याण योजना' का सूत्रपात किया था और आदिवासी भाइयों को जमीन का पट्टा देने की शुरुआत की थी। अकेले गुजरात में वन बंधु कल्याण योजना से अब तक लगभग 7 लाख आदिवासी परिवार लाभान्वित हुए हैं। इसी तरह वन अधिकार अधिनियम के तहत पांच वर्षों में आदिवासी भाई-बहनों को लगभग डेढ़ लाख एकड़ जमीन का मालिक बनाया गया है। इससे लगभग 50,000 आदिवासी बंधु लाभान्वित हुए हैं। कांग्रेस की सरकार के समय गुजरात में आदिवासी विकास का बजट महज 1,000 करोड़ रुपये हुआ करता था, जो आज बढ़कर भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन वाली सरकार में 1 लाख करोड़ रुपये हो गया है। लगभग 33 लाख आदिवासी छात्रों को छात्रवृत्ति मिली है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने एक भी आदिवासी भाई-बहन को राष्ट्रपति पद के योग्य नहीं समझा, जबकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पहली बार एक अत्यंत गरीब परिवार से आई आदिवासी बेटी को देश के राष्ट्रपति पद पर आसीन कर समग्र राष्ट्र के आदिवासी समुदाय को गौरवान्वित किया। हमारे प्रधानमंत्रीजी ने भगवान् बिरसा मुंडाजी की जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को देश भर में जनजातीय गौरव दिवस मनाने की शुरुआत की। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आदिवासी स्वातंत्र्य सेनानियों के बलिदान को श्रद्धांजलि देते हुए देश में 10 जनजातीय संग्रहालयों के निर्माण की शुरुआत की। लगभग 350 करोड़ रुपये की लागत से राजपीपला में भगवान् बिरसा मुंडा ट्राइबल यूनिवर्सिटी स्थापित की गई है। गोधरा में श्री गोविंद गुरु ट्राइबल यूनिवर्सिटी शुरू की गई है।

खम्भालिया, कोडीनार और मांगरोल

'गुजरात की यह प्रगति कांग्रेस को हजम नहीं हो रही है'

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 21 नवंबर, 2022 को कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात में 20 वर्षों से विकास की अविरल यात्रा चल रही है। डबल इंजन वाली गुजरात की भाजपा सरकार में गुजरात में हर क्षेत्र का विकास हुआ है, समुद्र के रास्ते हथियारों और ड्रग्स की स्मगलिंग पर नकेल कसी गई है, अपराधियों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया गया है और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूलमंत्र पर गुजरात में शांति, समृद्धि और विकास की स्थापना की गई है। गुजरात की यह प्रगति कांग्रेस को हजम नहीं हो रही है। कांग्रेस की सरकारों में 365 दिन में से लगभग 250 दिनों तक गुजरात कर्फ्यू के साए में रहता था, लेकिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद गुजरात में कर्फ्यू गुजरे जमाने की बात हो गई है।

चुनावी पर्यटन पर गुजरात आई आम आदमी पार्टी पर करारा प्रहार करते हुए श्री शाह ने कहा कि ये वही आम आदमी पार्टी है, जिसने मेधा पाटेकर को गुजरात से लोक सभा का चुनाव लड़ाया था। मेधा पाटेकर ने किस तरह मां नर्मदा के पानी को कच्छ और सौराष्ट्र आने से रोकने का पाप किया था, यह गुजरात की जनता भूली नहीं है। मेधा पाटेकर ने गुजरात की जीवनरेखा नर्मदा परियोजना का भारी विरोध किया था जिसके चलते नर्मदा के पानी को कच्छ-सौराष्ट्र पहुंचने में 20 साल लग गए। मैं आम आदमी पार्टी के नेताओं और उसके प्रत्याशियों से कहना चाहता हूं कि क्या आप गुजरात की जनता को पानी से दूर रखने वाले लोगों का समर्थन करने के लिए गुजरात की जनता से माफी मांगेंगे? गुजरात की जनता ऐसी पार्टी को कभी भी स्वीकार नहीं करेगी।

उन्होंने कहा कि मैंने वह समय भी देखा है जब गांधीनगर से पानी की ट्रेन को राजकोट लाना पड़ता था। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में पानी की समस्या को दूर कर हर घर जल और हर खेत तक पानी पहुंचाया है। प्रधानमंत्रीजी के अथक परिश्रम से महत्वाकांक्षी सौराष्ट्र नर्मदा अवतरण सिंचाई योजना (सौनी योजना) पूरी हुई और कच्छ और सौराष्ट्र से पानी की समस्या ख़त्म हुई।

कांग्रेस पर हमला करते हुए श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस ने गांधी-नेहरू परिवार ने सरदार पटेल को इतिहास से मिटाने का हरसंभव प्रयास किया। जब तक केंद्र में कांग्रेस की सरकार रही, तब तक न तो लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी का स्मारक बना और न ही उन्हें भारत रत्न प्रदान किया गया। जब श्री नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने तो सरदार पटेल के सम्मान में दुनिया में सबसे ऊंची मूर्ति 'स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी' के रूप में उनका स्मारक बना। जब तक कांग्रेस की सरकार रही, तब तक कच्छ-सौराष्ट्र में न तो पानी आया और न ही यहां भू-जल का स्तर ऊपर आया। जब तक कांग्रेस की सरकार रही, तब तक सरदार पटेल डैम भी पूरा नहीं हुआ।

खंभात, थराड और डीसा

'मोदीजी ने देश को सुरक्षित करने का काम किया'

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 22 नवंबर, 2022 को कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश को सुरक्षित करने का काम किया है। उन्होंने न केवल धारा 370 को ख़त्म कर जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाया, बल्कि आतंकवाद पर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक कर करारा प्रहार भी किया। उन्होंने ट्रिपल तलाक को ख़त्म कर मुस्लिम महिलाओं को सम्मान से जीने का अधिकार दिया। ये हमारे प्रधानमंत्रीजी हैं जिन्होंने अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण प्रशस्त कराया। उनकी प्रेरणा से श्री काशी विश्वनाथ धाम, उज्जैन महाकाल मंदिर परिसर, श्री केदारनाथ धाम, बद्रीनाथ धाम, पावागढ़, अंबाजी मंदिर परिसर और दिव्य सोमनाथ परिसर का भी कायाकल्प हुआ, जबकि कांग्रेस ने कभी भी देश के आस्था केन्द्रों का सम्मान नहीं किया। ■

भारत को भव्य आदिवासी विरासत से सीखकर अपने भविष्य को आकार देना है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 नवंबर, 2022 को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर एक वीडियो संदेश के माध्यम से राष्ट्र को अपनी शुभकामनाएं दीं। श्री मोदी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा और करोड़ों जनजातीय वीरों के सपनों को साकार करने के लिए राष्ट्र 'पंच प्राण' की ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस के माध्यम से देश की आदिवासी विरासत पर गर्व व्यक्त करना और आदिवासी समुदाय के विकास का संकल्प इसी ऊर्जा का हिस्सा है।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने वर्ष 2021 से आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी 'बिरसा मुंडा' की जयंती के उपलक्ष्य में 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया था।

श्री मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि 15 नवंबर आदिवासी परंपरा को मनाने का दिन है, क्योंकि भगवान बिरसा मुंडा न केवल हमारे स्वतंत्रता संग्राम के नायक थे, बल्कि वह हमारी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक ऊर्जा के संवाहक भी थे।

प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समुदाय के योगदान को नमन करते हुए प्रमुख आदिवासी आंदोलनों और स्वतंत्रता के लिए लड़े गए युद्धों का स्मरण किया। उन्होंने तिलका मांझी के नेतृत्व में दामिन संग्राम, बुद्ध भगत के नेतृत्व में लरका आंदोलन, सिद्धू-कान्हू क्रांति, ताना भगत आंदोलन, वेगड़ा भील आंदोलन, नायकड़ा आंदोलन, संत जोरिया परमेश्वर और रूप सिंह नायक, लिम्दी दाहोद युद्ध, अल्लूरी सीताराम राजू के नेतृत्व में मानगढ़ और रंपा आंदोलन के गोविंद गुरु जी को भी याद किया।

श्री मोदी ने जनजातीय योगदान को स्वीकार करने और उत्सव मनाने के कदमों के बारे में बताया। उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में जनजातीय संग्रहालयों और जन धन, गोवर्धन, वन धन, स्वयं सहायता समूहों, स्वच्छ भारत, पीएम आवास योजना, मातृत्व वंदना योजना, ग्रामीण सड़क योजना, मोबाइल कनेक्टिविटी, एकलव्य स्कूल, वन उत्पादों के लिए 90 प्रतिशत तक एमएसपी, सिकल सेल एनीमिया, जनजातीय अनुसंधान संस्थान, निःशुल्क कोरोना वैक्सीन और मिशन इंद्रधनुष जैसी योजनाओं के संदर्भ में भी अपने विचार व्यक्त किए, जिनसे जनजातीय समुदाय को बहुत लाभ मिला है।

श्री मोदी ने आदिवासी समाज की वीरता, सामुदायिक जीवन और समावेश का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत को इस भव्य विरासत से सीखकर अपने भविष्य को आकार देना है। मुझे विश्वास है कि जनजातीय गौरव दिवस इसके लिए एक अवसर और माध्यम बनेगा।

महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा

भगवान बिरसा मुंडा एक महान स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक थे। उन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार की शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ जनजातीय आंदोलन अर्थात् उलगुलान (विद्रोह) का नेतृत्व किया। उन्हें 'धरती आबा' के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि उन्होंने जनजातीय समुदायों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों को समझने और एकता का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया था। भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर, 1875 को झारखंड में हुआ था और मात्र 25 साल की उम्र में वे मातृ-भूमि के लिए शहीद हो गए।

मुख्य बातें

- 'जनजातीय गौरव दिवस' के माध्यम से देश की आदिवासी विरासत पर गर्व व्यक्त करना और आदिवासी समुदाय के विकास के लिए संकल्प 'पंच प्राण' की ऊर्जा का हिस्सा है
- 'भगवान बिरसा मुंडा' न केवल हमारे स्वतंत्रता संग्राम के नायक थे, बल्कि हमारी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक ऊर्जा के संवाहक भी थे
- भारत को भव्य आदिवासी विरासत से सीखकर अपने भविष्य को आकार देना है; मुझे विश्वास है कि जनजातीय गौरव दिवस इसके लिए एक अवसर और माध्यम बनेगा

न्याय के हित में सब कुछ बलिदान करने की भावना जनजातीय समाज की विशेषता रही है: राष्ट्रपति

जनजातीय समुदाय मानवता और प्रकृति को समान महत्व देता है। वे व्यक्ति की अपेक्षा समुदाय को, प्रतिस्पर्धा की अपेक्षा सहयोग को और विशिष्टता की अपेक्षा समानता को प्राथमिकता देते हैं

भारत की प्रथम जनजातीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने 'जनजातीय गौरव दिवस' के अवसर पर 15 नवंबर को झारखंड के उलिहातु गांव का दौरा किया और भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर श्रीमती मुर्मु ने कहा कि न्याय के हित में सब कुछ बलिदान करने की भावना जनजातीय समाज की विशेषता रही है। हमारे स्वतंत्रता संग्राम में विभिन्न विचारधाराओं और गतिविधियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में जनजाति समुदायों के संघर्षों की कई धाराएं भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि झारखंड के भगवान बिरसा मुंडा और सिद्धू-कान्हू, मध्य प्रदेश के तांतिया भील तथा भीमा नायक, आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू, मणिपुर की रानी गाइदिन्ल्यू और ओडिशा के शहीद लक्ष्मण नायक जैसे महान व्यक्तित्वों ने जनजातीय गौरव के साथ-साथ देश के गौरव को भी बढ़ाया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि अधिकांश जनजातीय क्षेत्र वन और खनिज संपदा से समृद्ध रहे हैं। हमारे जनजातीय भाई-बहन प्रकृति पर आधारित

जीवन-यापन करते हैं और सम्मानपूर्वक प्रकृति की रक्षा करते हैं। इस प्राकृतिक सम्पदा को शोषण से बचाने के लिए उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ बहादुरी से संघर्ष किया था। वन संपदा का संरक्षण काफी हद तक उनके बलिदान से ही संभव हो सका।

उन्होंने कहा कि आज के जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के दौर में सभी को जनजातीय समाज की जीवन शैली और वन संरक्षण के प्रति उनके संकल्प से सीख लेने की जरूरत है।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि जनजातीय समुदाय मानवता और प्रकृति को समान महत्व देता है। वे व्यक्ति की अपेक्षा समुदाय को, प्रतिस्पर्धा की अपेक्षा सहयोग को और विशिष्टता की अपेक्षा समानता को प्राथमिकता देते हैं। पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता जनजातीय समाज की विशेषता रही है। सामान्य जनसंख्या की तुलना में, जनजातीय समाज में लिंगानुपात बेहतर है। जनजातीय समाज की ये विशेषताएं सभी के लिए अनुकरणीय हैं। ■

महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी 'धरती आबा' बिरसा मुंडा जी की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन करता हूं। सिर्फ 25 वर्ष की आयु में जनजातीय समाज पर हो रहे अत्याचार को समाप्त करने और स्वधर्म की रक्षा की अलख जगाने वाले भगवान बिरसा अमर हैं। आप सभी को जनजातीय गौरव दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं।।

- जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

भाजपा दूसरी बार ऐतिहासिक जीत हासिल करेगी

हिमाचल प्रदेश विधान सभा की 68 सीटों के लिए 12 नवंबर, 2022 को प्रदेश में चुनाव संपन्न हुए, जिसके परिणाम 8 दिसंबर, 2022 को घोषित किए जाएंगे। हिमाचल विधानसभा का वर्तमान कार्यकाल 8 जनवरी को खत्म हो रहा है।

हिमाचल प्रदेश चुनाव 2022 संपन्न

भाजपा लगातार दूसरा बार ऐतिहासिक जीत हासिल कर रिवाज बदलने की तैयारी में है। 2017 के चुनाव में भाजपा ने 44 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी, इन चुनावों में कांग्रेस को 21 सीटों पर जीत मिली थी। प्रदेश में पिछले विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड 74 फीसदी मतदान हुआ था।

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने एक बयान जारी कर कहा कि हिमाचल प्रदेश में हाल ही में 12 नवंबर को संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड 75.6 प्रतिशत मतदान हुआ है। प्रदेश में एक चरण में मतदान संपन्न हुआ। दून विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 85.25 प्रतिशत मतदान हुआ और शिमला विधानसभा सीट पर सबसे कम 62.53 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। ■

आदिवासी समाज को विकास की मुख्यधारा में लाने का काम केवल और केवल भाजपा ने किया है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 20 नवंबर, 2022 को बेल्लारी (कर्नाटक) में आयोजित 'नवशक्ति समावेश' कार्यक्रम को संबोधित किया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश भर में जारी सर्वस्पर्शी एवं सर्वसमावेशी विकास की भूरि-भूरि सराहना की। कार्यक्रम में कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बी.एस. येदियुरप्पा, केंद्रीय जनजाति कल्याण मंत्री श्री अर्जुन मुंडा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हर वर्ग के उत्थान के साथ ही देश के सबसे पिछड़े जनजातीय समाज अर्थात् आदिवासियों के उत्थान एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। आजादी के 70 सालों तक किसी भी राजनीतिक दल को जनजातीय भाई-बहनों के कल्याण एवं उनके जीवन के उत्थान की सुध नहीं आई। ये हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हैं, जिन्होंने एक गरीब परिवार में जन्म लेने वाली आदिवासी बेटी को देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर प्रतिष्ठित कर आदिवासी सम्माज को गर्व की अनुभूति का अवसर दिया। भाजपा में जनजाति समाज से बननेवाले सांसदों की बड़ी संख्या है। केन्द्र सरकार में जनजाति समुदाय के मंत्रियों की एक श्रृंखला है। आदिवासी समाज को विकास की मुख्यधारा में लाने का काम केवल और केवल भाजपा ने किया है।

पहले आदिवासी समाज के विकास एवं कल्याण के लिए लगभग 3,850 करोड़ रुपये का केंद्रीय बजट होता था, लेकिन श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में ये बजट लगभग ढाई गुना बढ़कर 8,451 करोड़ रुपये हो गया है

श्री नड्डा ने कहा कि क्यों आज से पहले किसी भी राजनीतिक दल को इस बात की याद नहीं आई कि जनजाति गौरव दिवस मनाना चाहिए? क्यों किसी राजनीतिक दल को भगवान् बिरसा मुंडा की याद नहीं आई? ऐसा इसलिए क्योंकि कांग्रेस और उसके सहयोगियों की सरकारें लंबे समय तक केंद्र में रहीं और उन्होंने आदिवासी समाज को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया, लेकिन जब उन्हें देने की बारी आई तो मुट्ठी बंद कर ली और आदिवासी समाज की ओर से मुंह मोड़ लिया। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जनजातीय गौरव दिवस मनाने की शुरुआत की और जनजातीय संग्रहालयों का निर्माण भी कराया।

उन्होंने कहा कि पहले आदिवासी समाज के विकास एवं कल्याण के लिए लगभग 3,850 करोड़ रुपये का केंद्रीय बजट होता था, लेकिन श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में ये बजट लगभग ढाई गुना बढ़कर 8,451 करोड़ रुपये हो गया है। राष्ट्रीय स्तर पर 27 नेशनल ट्राइबल इंस्टीट्यूट बनाए गए हैं। इन संस्थानों को बनाने के पीछे मुख्य कारण यह है कि आदिवासी समाज के कल्याण एवं उनके विकास की चिंता कैसे की जा सकती है, इस पर शोध हो और उस पर नीतिगत सुझाव मिले ताकि केंद्र सरकार उन सुझावों के आलोक में जनोपयोगी नीतियां बना सके। चाहे एकलव्य रेसिडेंशियल स्कूल हो, आदिवासी छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति हो, आदिवासी बहुल गांवों के विकास की बात हो या फिर आदिवासियों के स्वास्थ्य की चिंता करना हो, हर क्षेत्र में हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी केंद्र सरकार एवं हमारी राज्य सरकारों ने विशेष इनिशिएटिव लिए हैं। पीएम आवास योजना, उज्ज्वला योजना, सौभाग्य योजना, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि, स्वच्छ भारत अभियान जैसी योजनाओं से हमारे आदिवासी भाई विशेष रूप से लाभान्वित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक में आदिवासी समाज का आरक्षण तीन प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया गया है। मैं इस क्रांतिकारी कदम के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मईजी को धन्यवाद देता हूं, श्री रामुलुजी को बधाई देता हूं। कर्नाटक की भाजपा सरकार के इस निर्णय से कर्नाटक में आदिवासी भाइयों के जीवन की तस्वीर बदलेगी।

श्री नड्डा ने कहा कि कर्नाटक में विकास की दृष्टि से आधारभूत संरचना और कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने की दिशा में विशेष कार्य हो रहे हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा और आईटी सेक्टर में विकास के कार्य हो रहे हैं। ■

'भाजपा सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी विकास में विश्वास रखती है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 14 नवंबर, 2022 को वर्चुअली नागालैंड के प्रदेश भाजपा कार्यालय का उद्घाटन किया और इसे पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए संस्कार का केंद्र और पूर्वोत्तर को भाजपा का गढ़ बनाने का आधार केंद्र बताया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में नागालैंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री तेमजेन इम्ना अलॉन्ग, नागालैंड के उप मुख्यमंत्री श्री वाई पेट्टन, केंद्रीय मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री श्री शिव प्रकाश, पूर्वोत्तर के भाजपा कोऑर्डिनेटर डॉ. संबित पात्रा, को-कोऑर्डिनेटर श्री ऋतुराज सिन्हा, नगालैंड से भाजपा की सांसद श्रीमती एस फान्गनॉन कोन्याक और नागालैंड के संगठन मंत्री श्री अभय गिरि सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता भी नवनिर्मित प्रदेश कार्यालय, नागालैंड एवं अन्य जगहों से वर्चुअली जुड़े थे।

श्री नड्डा ने कहा कि हमारे लिए कार्यालय ऑफिस नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं के लिए संस्कार का केंद्र होता है। हमारे मनीषी नेताओं ने, अथक परिश्रमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने निःस्वार्थ भाव से अपना पूरा जीवन पार्टी के उत्थान में अर्पित कर दिया। यह कार्यालय सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त है जिसमें कार्यकर्ताओं की सुविधा की हर बात का ध्यान रखा गया है। भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है।

उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद यह लक्ष्य निर्धारित किया था कि देश के हर जिले में और हर प्रदेश मुख्यालय में पार्टी का अपना सुव्यवस्थित कार्यालय होना चाहिए। इस मेगा प्लान को हमारे तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने पूरे मनोयोग से उतारा। 512 में से 237 कार्यालयों का निर्माण कार्य पूरा हो गया है जबकि 153 जिला कार्यालय निर्माणाधीन हैं।

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सात सूत्रों को अपने में समाहित किया है। ये हैं— सेवा भाव, संतुलन, संयम, समन्वय, सकारात्मकता, संवेदना और संवाद। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी सुरक्षित, समृद्ध और विकसित भारत का सपना लेकर चले हैं

उन्होंने कहा कि 1950 से जनसंघ से जो हमारी यात्रा शुरू हुई थी, वह सफ़र भारतीय जनता पार्टी के रूप में आज निरंतर जारी है। हमारे लिए देश सबसे पहले होता है, पार्टी उसके बाद आती है और 'स्व' सबसे अंत में आता है। आज 18 करोड़ सदस्यों के साथ भाजपा विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी है। श्री नड्डा ने कहा कि नागालैंड में भी भारतीय जनता पार्टी तेजी से आगे बढ़ी है। 2013 में जहां नागालैंड में हमारा वोट शेयर केवल 1.8 प्रतिशत था, जोकि 2018 में बढ़कर 15 प्रतिशत हो गया। आज नागालैंड में भाजपा के 3.3 लाख प्राथमिक सदस्य हैं।

उन्होंने कहा कि आज मैं नागालैंड भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान को भी शुरू कर रहा हूं। मैं इस पहल के लिए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री तेमजेन इम्ना अलॉन्ग एवं उनकी पूरी टीम को धन्यवाद देता हूं एवं इसकी सफलता के लिए शुभकामनाएं देता हूं। हमारा लक्ष्य पार्टी सदस्यता को नागालैंड में 4 लाख सदस्यों को जोड़ने का है। इसके लिए नागालैंड भाजपा ने 8298296060 नंबर शुरू किया है जिस पर मिस्ड कॉल के जरिए नागालैंड के निवासी भाजपा से जुड़ सकते हैं।

उन्होंने कहा कि मैं नागालैंड की महान जनता से अनुरोध करता हूं कि वे प्रदेश में शांति, सुरक्षा और समृद्धि के लिए भारतीय जनता पार्टी के साथ जुड़ें और हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हाथों को मजबूत करें। आप एकता और प्रगति के लिए भाजपा से जुड़ें।

श्री नड्डा ने कहा कि देश में लगभग सभी राजनीतिक दलों में परिवार ही पार्टी है, जबकि भारतीय जनता पार्टी के लिए पार्टी ही परिवार है। हमारा हर सदस्य भारतीय जनता पार्टी परिवार का हिस्सा है। यही बाकी दलों में भाजपा में अंतर है।

उन्होंने कहा कि ने कहा कि भाजपा सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी विकास में विश्वास रखती है। हम 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूलमंत्र पर चलते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सेवा, सुशासन और लास्ट माइल डिलीवरी में यकीन रखती है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सात सूत्रों को अपने में समाहित किया है। ये हैं— सेवा भाव, संतुलन, संयम, समन्वय, सकारात्मकता, संवेदना और संवाद। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी सुरक्षित, समृद्ध और विकसित भारत का सपना लेकर चले हैं। हमें उनके हाथों को मजबूत करना है।

श्री नड्डा ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी लुक ईस्ट नहीं, एक्ट ईस्ट की बात करते हैं, वे स्वयं लगभग 50 बार नॉर्थ-ईस्ट के दौरे पर आ चुके हैं। हर 15 दिन में कोई न कोई केंद्रीय मंत्री पूर्वोत्तर का दौरा करते हैं और यहां के विकास कार्यों का जायजा लेते हैं। ■

भाजपा ओबीसी मोर्चा की एकदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

भारतीय जनता पार्टी, ओबीसी मोर्चा की एकदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 14 नवंबर, 2022 को एकात्म भवन, नई दिल्ली में आयोजित हुई। इस कार्यशाला में 24 राज्य इकाइयों के संयोजकों एवं सह संयोजकों ने भाग लिया।

दो सत्रों में कार्यशाला संपन्न हुई। प्रथम सत्र का विषय था- 'ओबीसी समुदाय के लिए नीति निर्माण में भाजपा ओबीसी मोर्चा की भूमिका और सभी क्षेत्रों में पिछले आठ वर्षों में ओबीसी समुदाय के लिए मोदी सरकार की प्रमुख उपलब्धियां।' इस सत्र को संबोधित करते हुए भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. लक्ष्मण ने कहा कि मोदी सरकार ने ओबीसी वर्ग के समावेशी विकास के लिए पिछले आठ वर्षों में अनेक कार्य किए हैं। जिनमें मुख्य रूप से ओबीसी के लिए राष्ट्रीय आयोग का गठन, 127वां संवैधानिक संशोधन विधेयक जिसमें राज्यों को ओबीसी सूची में जातियों के नाम जोड़ने व घटाने का अधिकार दिया गया। ओबीसी के क्रीमी लेयर मापदंडों में संशोधन किया, जिसमें आय सीमा 6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख रुपए की गई। इसके साथ ही पिछले 70 सालों में ओबीसी वर्ग के लिए पहला अवसर है जब इस समुदाय के कुल 27 मंत्री केन्द्रीय सरकार में मंत्री पद पर कार्यभार संभाल रहे हैं, जिनमें पांच कैबिनेट स्तर के मंत्री भी हैं। डॉ. के. लक्ष्मण ने कहा कि मोदी

सरकार ने ओबीसी समुदाय के लिए शिक्षा के क्षेत्र में भी अनेक कार्य किए हैं जिनमें मुख्य रूप से ओबीसी वर्ग को केन्द्रीय विद्यालयों, जवाहर नवोदय विद्यालयों एवं सैनिक स्कूलों में आरक्षण का लाभ देना शुरू किया है।

द्वितीय सत्र का विषय था- "ओबीसी मोर्चे में नीति और अनुसंधान में कार्यवाही के लिए रोड मेप, घोषणा-पत्र, अनुसंधान, आचरण, सहायता, स्पष्टता।" इस सत्र में भाजपा संसदीय दल के कार्यालय सचिव एवं भाजपा प्रकाशन विभाग के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. शिवशक्ति नाथ बक्सी ने अपने विचार रखे। कार्यशाला के समापन सत्र को नेशनल रिसर्च एवं पॉलिसी डिवीजन के राष्ट्रीय संयोजक प्रो. पंकज चौधरी ने संबोधित किया। ■

केजी मारार: केरल के सामाजिक-राजनीतिक जगत के एक महान नेता

श्री केजी मारार ने केरल में डेढ़ दशक तक भाजपा का नेतृत्व किया। भाजपा, जनसंघ और रा.स्व.संघ में उनका योगदान शब्दों से कहीं अधिक है। वह अपनी बुद्धि, दृढ़ संकल्प, समर्पण, चतुराई और नजरिये के साथ साढ़े तीन दशक से अधिक समय तक केरल के सामाजिक-राजनीतिक जगत के एक महान नेता रहे। संघ के साथ उनके जुड़ाव ने उनकी राष्ट्रीय भावना को प्रज्ज्वलित किया और उन्होंने अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिया। उन्होंने शिक्षक के तौर पर अपनी नौकरी से त्यागपत्र देकर, सीपीएम के गढ़ कन्नूर में जनसंघ के लिए काम करने का निर्णय लिया। उन्होंने खतरों और बाधाओं का सामना करते हुए, ईंट-दर-ईंट लगाकर राजनीतिक नींव रखी।

उन्हें जनसंघ का प्रदेश मंत्री बनाया गया। उन्होंने केरल में भाजपा स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उन्होंने पार्टी संगठन में प्रदेश महामंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सहित विभिन्न दायित्वों पर कार्य किया। उनका जीवन सिद्धांतवादी राजनीति को समर्पित रहा और उन्होंने प्रदेश में आदिवासियों एवं मछुआरा समुदाय के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। श्री मारार ने सत्ता के लिए अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। उन्हें 1975 में आपातकाल के दौरान गिरफ्तार किया गया था और 18 महीने की कैद हुई थी। जेल से रिहा होने के बाद श्री केजी मारार को जनता पार्टी ने राज्य परिषद् का सदस्य बनाया। विधानसभा और लोकसभा चुनाव लड़ना उनके राजनीतिक मिशन का ही विस्तार था। मंजेश्वरम चुनाव में उन्हें 1,000 मतों के मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा। अपने अनुभव से उन्होंने इस बात की ओर इशारा किया था कि भाजपा को हराने के लिए सीपीएम और कांग्रेस हाथ मिला सकती है और यह बात सही साबित हुई। मारारजी ने यह भी भविष्यवाणी की थी कि श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी एक दिन भारत के प्रधानमंत्री बनेंगे, लेकिन, दुःख की बात है कि वह श्री अटल बिहारी वाजपेयी को देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेते हुए देखने के लिए जीवित नहीं रहे। ■

दिल्ली नगर निगम चुनाव में एक बार पुनः कमल खिलेगा : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 20 नवंबर, 2022 को नई दिल्ली में हमदर्द मोड़, संगम विहार से रतिया मार्ग, पीपल चौक तक एक भव्य रोड शो किया और दिल्ली की जनता से दिल्ली नगर निगम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को भारी बहुमत से विजयी बनाने की अपील की।

ज्ञात हो कि दिल्ली नगर निगम चुनाव के आलोक में आज दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी एक साथ 14 रोड शो किया जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने उत्तम नगर में तो उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने शांति मार्ग से श्री राम चौक मंडावली तक 'विजय संकल्प रोड शो' किया। असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंता बिस्वा सरमा ने उत्तर पूर्वी दिल्ली के घोंडा से रोड शो किया तो हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने नरेला में रोड शो और जनसभा की। इसके साथ ही अलग-अलग स्थानों पर केंद्रीय मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, श्री हरदीप सिंह पुरी, श्री जितेंद्र सिंह और श्रीमती मीनाक्षी लेखी सहित कई अन्य केंद्रीय मंत्रियों ने भी विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले रोड शो में शिरकत की। इसमें दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी के सभी सांसदों श्री हर्षवर्धन, श्री मनोज तिवारी, श्री रमेश बिधूड़ी, श्री गौतम गंभीर, श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा और श्री हंसराज हंस ने भी भाग लिया।

चाहे शराब घोटाला हो, मनी लॉन्ड्रिंग हो, बस घोटाला हो, स्कूल की कक्षाओं के निर्माण में घोटाला हो, बिजली बिल में घोटाला हो, दिल्ली जल बोर्ड में घोटाला हो, बस की खरीद में घोटाला हो - हर क्षेत्र में केजरीवाल सरकार ने जम कर भ्रष्टाचार किया है

श्री नड्डा ने रोड शो के दौरान कहा कि दिल्ली की जनता अरविंद केजरीवाल से ठगी हुई महसूस कर रही है क्योंकि केजरीवाल सरकार ने उनके साथ धोखा किया है। केजरीवाल की सरकार कुशासन की मूर्ति है और भ्रष्टाचार और घोटालों में आकंठ डूबी हुई है। दिल्ली की जनता केजरीवाल सरकार से थक चुकी है। भाजपा को रोड शो में दिल्ली की जनता का जो आशीर्वाद और प्यार मिल रहा है, इससे यह निश्चित है कि दिल्ली नगर निगम चुनाव में एक बार पुनः कमल खिलेगा।

उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता में भाजपा के प्रति जबरदस्त उत्साह है और वे आम आदमी पार्टी को सबक सिखाने के लिए आतुर है। आम आदमी पार्टी ऊपर से लेकर नीचे तक बेशर्मी से भरी हुई है। नियमों को ताक पर रख कर धज्जियां उड़ाना इनकी आदत है। केजरीवाल सरकार के मंत्रियों के लगातार एक के बाद एक घोटाले और काले कारनामे सामने आ रहे हैं जो आम आदमी पार्टी के नेताओं के चाल, चरित्र और चेहरे को बेनकाब करता है।

श्री नड्डा ने कहा कि चाहे शराब घोटाला हो, मनी लॉन्ड्रिंग हो, बस घोटाला हो, स्कूल की कक्षाओं के निर्माण में घोटाला हो, बिजली बिल में घोटाला हो, दिल्ली जल बोर्ड में घोटाला हो, बस की खरीद में घोटाला हो - हर क्षेत्र में केजरीवाल सरकार ने जम कर भ्रष्टाचार किया है। अरविंद केजरीवाल सरकार ने दिल्ली की जनता की गाढ़ी खून-पसीने की कमाई को दोनों हाथों से लूटा है और अपना चेहरा चमकाने के विज्ञापनों पर खर्च किया है। दिल्ली की जनता ने इसे बहुत ही नजदीक से देखा है और एमसीडी का चुनाव दिल्ली प्रदेश की सत्ता पर काबिज लोगों को करारा जवाब देने का एक माध्यम बनेगा। ■

भारत ने नेटवर्क रेडीनेस इंडेक्स 2022 में छह स्लॉटों में सुधार किया

'एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) प्रतिभा एकाग्रता' में पहला स्थान

केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 19 नवंबर को जारी एक बयान में कहा गया है कि भारत ने हाल ही में जारी नेटवर्क रेडीनेस सूचकांक 2022 (एनआरआई 2022) की रिपोर्ट के अनुसार छह स्लॉट में अपनी स्थिति में सुधार किया। अब भारत इस सूचकांक में 61वें स्थान पर है।

2022 के अपने नवीनतम संस्करण में एनआरआई रिपोर्ट चार अलग-अलग मानकों पर उनके प्रदर्शन के आधार पर 131 अर्थव्यवस्थाओं के नेटवर्क-आधारित रेडीनेस परिदृश्य का मापन करती है। ये मानक हैं— प्रौद्योगिकी, लोग, शासन और कुल 58 वेरिएबल को कवर करने वाले प्रभाव। इस रिपोर्ट को वाशिंगटन डीसी स्थित पोर्टुलान्स इंस्टीट्यूट ने तैयार किया, जो एक स्वतंत्र गैर-लाभकारी, गैर-पक्षपाती अनुसंधान और शैक्षणिक संस्थान है।

भारत ने न केवल अपनी रैंकिंग में सुधार किया है, बल्कि 2021 के अपने स्कोर को 49.74 से सुधार कर 2022 में 51.19 कर लिया है। उल्लेखनीय है कि भारत कई संकेतकों में सबसे आगे है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने 'एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) प्रतिभा एकाग्रता' में पहला स्थान, 'देश के भीतर मोबाइल ब्रॉडबैंड इंटरनेट ट्रैफिक' व 'अंतरराष्ट्रीय इंटरनेट बैंडविड्थ' में दूसरा स्थान और 'दूरसंचार सेवाओं में वार्षिक निवेश' व 'घरेलू बाजार आकार' में तीसरा स्थान, 'आईसीटी सेवा निर्यात' में चौथा स्थान और 'एफटीटीएच/बिल्डिंग इंटरनेट सब्सक्रिप्शन' व 'एआई वैज्ञानिक प्रकाशन' में 5वां स्थान प्राप्त किया है।

एनआरआई 2022 की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के पास अपने आय स्तर को देखते हुए उम्मीद से कहीं अधिक नेटवर्क रेडीनेस है। यूक्रेन (50) और इंडोनेशिया (59) के बाद भारत निम्न-मध्यम-आय वाले देशों के समूह में 36 में से तीसरे स्थान पर है। सभी आधारों और उप-आधारों में भारत का अंक इस आय समूह के औसत अंक से अधिक है। ■

भारत ने 'एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) प्रतिभा एकाग्रता' में पहला स्थान, 'देश के भीतर मोबाइल ब्रॉडबैंड इंटरनेट ट्रैफिक' व 'अंतरराष्ट्रीय इंटरनेट बैंडविड्थ' में दूसरा स्थान और 'दूरसंचार सेवाओं में वार्षिक निवेश' व 'घरेलू बाजार आकार' में तीसरा स्थान, 'आईसीटी सेवा निर्यात' में चौथा स्थान और 'एफटीटीएच/बिल्डिंग इंटरनेट सब्सक्रिप्शन' व 'एआई वैज्ञानिक प्रकाशन' में 5वां स्थान प्राप्त किया

खरीफ विपणन सत्र में अब तक धान की खरीद हुई 231 लाख मीट्रिक टन

खरीद कार्य से लगभग 47,644 करोड़ रुपये के न्यूनतम समर्थन मूल्य के भुगतान के साथ 13.50 लाख से अधिक किसान लाभान्वित हुए

खरीफ विपणन सत्र 2022-23 (खरीफ फसल) के लिए धान की खरीद 13 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में सुचारू रूप से चल रही है। पंजाब, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, केरल, तेलंगाना, हरियाणा और तमिलनाडु में खरीद की प्रक्रिया जारी है।

केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा 11 नवंबर को जारी एक बयान के अनुसार 10 नवंबर तक 231 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। इसकी तुलना में पिछले वर्ष की इसी अवधि में लगभग 228 लाख मीट्रिक टन धान क्रय किया गया था। खरीद से लगभग 47,644 करोड़ रुपये के न्यूनतम समर्थन मूल्य के भुगतान के साथ 13.50 लाख से अधिक किसान पहले ही लाभान्वित हो चुके हैं।

इस वर्ष देश में बारिश की स्थिति काफी अच्छी रही और धान का उत्पादन सामान्य रहने की उम्मीद है। वर्तमान खरीफ विपणन सत्र 2022-23 की खरीफ फसल के लिए 771 लाख मीट्रिक टन धान (चावल के मामले में 518 लाख मीट्रिक टन) की खरीद का अनुमान लगाया गया है। इसकी तुलना में पिछले खरीफ विपणन सत्र 2021-22 (खरीफ फसल) के दौरान 759 लाख मीट्रिक टन धान (चावल के मामले में 510 लाख मीट्रिक टन) खरीदा गया था। इसमें रबी की धान को शामिल करने से पूरे खरीफ विपणन सत्र 2022-23 के दौरान लगभग 900 लाख मीट्रिक टन धान खरीदे जाने की उम्मीद है।

उल्लेखनीय है कि एनएफएसए/पीएमजीकेएवाई/ओडब्ल्यूएस की आवश्यकता को पूरा करने के लिए केंद्रीय पूल के तहत खाद्यान्न का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। अन्य राज्यों में भी खरीद प्रक्रिया जल्द ही शुरू होने जा रही है और समस्या मुक्त खरीद कार्यों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। ■

'पीएम किसान योजना' ने 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता प्रदान की

'पीएम किसान' के तहत किसी भी किश्त अवधि के लिए लाभ जारी करने की संख्या अब 10 करोड़ किसानों को पार कर गई है। शुरुआत में यह संख्या 3.16 करोड़ थी, अर्थात 3 वर्षों में 3 गुना से अधिक की वृद्धि हो चुकी है

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 21 नवंबर को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार 'पीएम किसान योजना' ने 3 से अधिक वर्षों के दौरान करोड़ों जरूरतमंद किसानों को सफलतापूर्वक 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता प्रदान की। इस राशि में से 1.6 करोड़ रुपये से अधिक की राशि कोविड महामारी के कारण हुए लॉकडाउन के बाद से अंतरित की जा चुकी है।

'पीएम किसान' के तहत किसी भी किश्त अवधि के लिए लाभ जारी करने की संख्या अब 10 करोड़ किसानों को पार कर गई है। शुरुआत में यह संख्या 3.16 करोड़ थी, अर्थात 3 वर्षों में 3 गुना से अधिक की वृद्धि हो चुकी है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 24 फरवरी, 2019 को शुरू की गई यह महत्वाकांक्षी योजना दुनिया की सबसे बड़ी प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजनाओं में से एक है। यह योजना करोड़ों किसानों तक लाभ पहुंचाने में सफल रही है और ख़ास बात यह है कि इसमें कोई बिचौलिया शामिल नहीं है।

'पीएम किसान योजना' भूमिधारक किसानों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार की एक मुख्य योजना है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से किसान परिवारों के बैंक खातों में प्रति वर्ष 6000 रुपये का वित्तीय लाभ हस्तांतरित किया जाता है। उच्च आर्थिक स्थिति की कुछ श्रेणियों को इस योजना से बाहर रखा गया है।

साथ ही, पीएम किसान योजना ने किसानों को कृषि गतिविधियों में उत्पादक निवेश की दिशा में मदद की है और कृषि क्षेत्र के समग्र सुधार में योगदान दिया है।

आईसीएआर और अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि इस योजना ने कृषि के लिए आवश्यक वस्तुओं को खरीदने के लिए किसानों की तरलता की कमी को दूर करने में काफी मदद की है। इसके अलावा, छोटे व सीमांत किसानों के लिए इस योजना से उन्हें न केवल कृषि कार्यों के लिए धन की आवश्यकता को पूरा करने में मदद मिली है, बल्कि उनके दैनिक उपभोग, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य आकस्मिक खर्चों के लिए भी सहायता मिली है। ■

सितम्बर, 2022 में ईपीएफओ ने जोड़े 16.82 लाख सदस्य

पहली बार नौकरी चाहने वाले अपनी शिक्षा के बाद बड़ी संख्या में संगठित क्षेत्र के कार्यबल में शामिल हो रहे हैं और संगठित क्षेत्र में नई नौकरियां बड़े पैमाने पर देश के युवाओं को दी जा रही हैं

ईपीएफओ के 20 नवम्बर को जारी अस्थायी कुल वेतन भुगतान आंकड़ों से पता चलता है कि ईपीएफओ ने सितम्बर, 2022 के महीने में 16.82 लाख सदस्य जोड़े हैं। कुल वेतन भुगतान की साल-दर-साल तुलना सितम्बर, 2022 में पिछले वर्ष 2021 में इसी महीने की तुलना में 9.14 प्रतिशत सदस्यता वृद्धि दर्शाती है।

महीने के दौरान वास्तविक नामांकन पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान दर्ज मासिक औसत से 21.85 प्रतिशत अधिक है। माह के दौरान जोड़े गए कुल 16.82 लाख सदस्यों में से लगभग 9.34 लाख नए सदस्य पहली बार ईपीएफओ के दायरे में आए।

नये सदस्यों में 2.94 लाख सदस्यों के साथ 18-21 वर्ष के आयु वर्ग के लोगों की संख्या सबसे अधिक थी। इसके बाद 2.54 लाख सदस्य 21-25 वर्ष की आयु वर्ग के थे। लगभग 58.75 प्रतिशत 18-25 वर्ष के आयु वर्ग के हैं। इससे पता चलता है कि पहली बार नौकरी चाहने वाले अपनी शिक्षा के बाद बड़ी संख्या में संगठित क्षेत्र के कार्यबल में शामिल हो रहे हैं और संगठित क्षेत्र में नई नौकरियां बड़े पैमाने पर देश के युवाओं को दी जा रही हैं।

कुल वेतन भुगतान आंकड़ों के लिंग-वार विश्लेषण से संकेत मिलता है कि सितम्बर, 2022 में वास्तव में महिला सदस्यों का नामांकन 3.50 लाख रहा है। नामांकन आंकड़ों की साल-दर-साल तुलना से पता चलता है कि सितम्बर, 2022 में संगठित कार्यबल में महिलाओं की सदस्यता में पिछले वर्ष सितम्बर, 2021 की तुलना में 6.98 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। महीने के दौरान ईपीएफओ में शामिल होने वाले कुल नए सदस्यों में महिला कार्यबल का नामांकन 26.36 प्रतिशत दर्ज किया गया है। ■

10.54 लाख करोड़ रुपये हुआ सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह

रिफंड के समायोजन के बाद शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 8.71 लाख करोड़ रुपये हुआ, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के शुद्ध संग्रह से 25.71 प्रतिशत अधिक है

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा 11 नवंबर को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार 10 नवंबर तक सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 10.54 लाख करोड़ रुपये हुआ, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के सकल संग्रह से 30.69 प्रतिशत अधिक है। रिफंड के समायोजन के बाद शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 8.71 लाख करोड़ रुपये हुआ, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के शुद्ध संग्रह से 25.71 प्रतिशत अधिक है। यह संग्रह वित्त वर्ष 2022-23 के लिए प्रत्यक्ष करों के कुल बजट अनुमान का 61.31 प्रतिशत है।

जहां तक सकल राजस्व संग्रह के संदर्भ में कॉरपोरेट आयकर (सीआईटी) और व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) की वृद्धि दर का सवाल है, सीआईटी की वृद्धि दर 22.03 प्रतिशत है, जबकि पीआईटी (एसटीटी सहित) की वृद्धि दर 40.64 प्रतिशत है। रिफंड के समायोजन के बाद सीआईटी संग्रह में शुद्ध वृद्धि 24.51 प्रतिशत है और पीआईटी संग्रह (एसटीटी सहित) में शुद्ध वृद्धि 28.06 प्रतिशत है।

1 अप्रैल, 2022 से लेकर 10 नवंबर, 2022 तक की अवधि के दौरान 1.83 लाख करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए, जो कि पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान जारी किए गए रिफंड से 61.07 फीसदी अधिक हैं। ■

खुदरा और थोक महंगाई दोनों में आई गिरावट

खुदरा मुद्रास्फीति घटकर तीन महीनों के निचले स्तर 6.77 प्रतिशत पर तथा थोक मुद्रास्फीति 19 महीनों के निचले स्तर 8.39 प्रतिशत पर आ गई

खाद्य उत्पादों की कीमतों में गिरावट होने से अक्टूबर में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर तीन महीनों के निचले स्तर 6.77 प्रतिशत पर आ गई। साथ ही, थोक मुद्रास्फीति भी 19 महीनों के निचले स्तर 8.39 प्रतिशत पर आ गई।

केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा 14 नवंबर को जारी आंकड़ों के अनुसार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति अक्टूबर में 6.77 प्रतिशत रही, जबकि पिछले महीने सितंबर में यह 7.41 प्रतिशत थी। अक्टूबर में खाद्य वस्तुओं की खुदरा महंगाई दर 7.01 प्रतिशत रही, जो सितंबर महीने में 8.6 प्रतिशत थी।

यही नहीं खाद्य, ईंधन और विनिर्मित उत्पादों के दाम कम होने से थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति अक्टूबर महीने में घटकर 19 महीने के निचले स्तर 8.39 प्रतिशत पर आ गयी। अक्टूबर में खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर 8.33 प्रतिशत रही, जो सितंबर में 11.03 प्रतिशत थी।

गौरतलब है कि आलू, प्याज, फल, अंडा, मांस एवं मछली की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। तिलहनों की कीमतों में 5.36 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि खनिजों में थोक मुद्रास्फीति 3.86 प्रतिशत रही। विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति 4.42 प्रतिशत रही। ■

सितंबर, 2022 के दौरान खनिज उत्पादन में 4.6% की वृद्धि

केंद्रीय खान मंत्रालय द्वारा 15 नवंबर को जारी एक बयान के अनुसार सितंबर, 2022 (आधारः 2011-12 = 100) के महीने के लिए खनन और उत्खनन क्षेत्र का खनिज उत्पादन सूचकांक 99.5 पर रहा, जो सितंबर, 2021 के महीने के स्तर की तुलना में 4.6% अधिक है। भारतीय खान ब्यूरो (आईबीएम) के अनंतिम आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-जुलाई, 2022-23 की अवधि के लिए संचयी वृद्धि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 4.2 प्रतिशत बढ़ी है।

सितंबर, 2022 में महत्वपूर्ण खनिजों का उत्पादन स्तर थाः कोयला 580 लाख टन, लिग्नाइट 27 लाख टन, प्राकृतिक गैस (उपयुक्त) 2791 मिलियन घन मीटर, पेट्रोलियम (क्रूड) 24 लाख टन, बॉक्साइट 1667 हजार टन, क्रोमाइट 116 हजार टन, कॉपर सान्द्र 10 हजार टन, सोना 92 किलो, लौह अयस्क 166 लाख टन, सीसा सांद्र 22 हजार टन, मैंगनीज अयस्क 163 हजार टन, जिंक सान्द्र 45 हजार टन, लाइमस्टोन 305 लाख टन, फास्फोराइट 150 हजार टन, मैग्नेसाइट 10 हजार टन और हीरा 70 कैरेट हैं।

सितंबर, 2021 की तुलना में सितंबर, 2022 के दौरान सकारात्मक वृद्धि दिखाने वाले महत्वपूर्ण खनिजों में शामिल हैंः फास्फोराइट (87.6%), हीरा (37.3%), तांबा सान्द्र (18.5%), कोयला (12.1%), लौह अयस्क (9.1%), बॉक्साइट (5.5) % और चूना पत्थर (4.7%)। ■

रोजगार मेले

प्रधानमंत्री ने रोजगार मेले के तहत लगभग 71,000 नियुक्ति पत्र प्रदान किए

'कर्मयोगी प्रारंभ मॉड्यूल' का शुभारंभ

इससे पहले रोजगार मेले के तहत अक्टूबर में 75,000 से अधिक नए भर्ती किए गए उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए थे

गत 22 नवंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से रोजगार मेले के तहत नए भर्ती किए गए उम्मीदवारों को लगभग 71,000 नियुक्ति पत्र प्रदान किए। साथ ही, प्रधानमंत्री ने कर्मयोगी प्रारंभ मॉड्यूल का भी शुभारंभ किया, जो सभी नवनियुक्त व्यक्तियों के लिए एक ऑनलाइन ओरिएंटेशन कोर्स है।

रोजगार मेले से रोजगार सृजन को आगे बढ़ाने और युवाओं को उनके सशक्तीकरण के साथ-साथ प्रत्यक्ष रूप से राष्ट्रीय विकास में भागीदारी करने के लिए सार्थक अवसर प्रदान करने में एक उत्प्रेरक के रूप में काम करने की उम्मीद है। इससे पहले रोजगार मेले के तहत अक्टूबर में 75,000 से अधिक नए भर्ती किए गए उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए थे।

उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के 45 से अधिक शहरों में 71,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप इतने परिवारों के लिए खुशी का नया युग आएगा। उन्होंने स्मरण कराया कि धनतेरस के दिन केंद्र सरकार ने युवाओं को 75,000 नियुक्ति पत्र सौंपे थे। श्री मोदी ने कहा कि आज का रोजगार मेला इस बात का प्रमाण है कि केंद्र सरकार देश के युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए एक मिशन मोड में काम कर रही है।

एक माह पूर्व रोजगार मेले की शुरुआत का स्मरण कराते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कई केंद्रशासित प्रदेश और राज्य भी समय-समय पर ऐसे रोजगार मेलों का आयोजन करते रहेंगे। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जाहिर की कि हजारों युवाओं को संबंधित सरकारों द्वारा महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, अंडमान और निकोबार, लक्षद्वीप, दमन और दीव, दादरा और नगर हवेली और चंडीगढ़ में नियुक्ति पत्र दिए गए थे।

युवा देश की सबसे बड़ी ताकत

श्री मोदी ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। केंद्र सरकार राष्ट्र निर्माण में उनकी प्रतिभा और ऊर्जा का सदुपयोग करने के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने नए लोक सेवकों का स्वागत किया और उन्हें बधाई दी तथा यह भी स्मरण कराया कि वे इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को एक बहुत ही विशिष्ट समयावधि यानी अमृत काल में संभाल रहे हैं।

श्री मोदी ने अमृत काल में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में उन की भूमिका के बारे में भी प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों के रूप में उनसे कहा कि उन्हें अपनी भूमिका और कर्तव्यों को व्यापक रूप से समझ लेना चाहिए। अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए क्षमता निर्माण पर भी लगातार ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

आज शुरू किए गए कर्मयोगी भारत प्रौद्योगिकी मंच का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने सरकारी अधिकारियों के लिए कई ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की उपलब्धता की भी जानकारी दी। उन्होंने सरकारी कर्मचारियों के लिए तैयार किए गए एक विशेष पाठ्यक्रम; जिसे कर्मयोगी प्रारंभ कहा जाता है; पर जोर दिया और नए भर्ती किए गए उम्मीदवारों से इसका अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया। इसके लाभों का संदर्भ देते हुए श्री मोदी ने कहा कि यह उनके कौशल विकास का एक बड़ा स्रोत सिद्ध होगा और साथ ही आने वाले दिनों में भी उन्हें लाभान्वित करेगा। ■

कर्मयोगी प्रारंभ मॉड्यूल

'कर्मयोगी प्रारंभ मॉड्यूल' विभिन्न सरकारी विभागों में सभी नए भर्ती किए गए उम्मीदवारों के लिए एक ऑनलाइन उन्मुखीकरण (ओरिएंटेशन) पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम में सरकारी कर्मचारियों के लिए आचार-संहिता, कार्यस्थल में नैतिकता और अखंडता, मानव संसाधन नीतियां तथा अन्य लाभ और भत्ते शामिल होंगे, जो उन्हें नीतियों के अनुकूल बनने और नई भूमिकाओं में आसानी से बदलाव करने में मदद करेंगे। उन्हें अपने ज्ञान, कौशल और क्षमताओं को बढ़ाने के लिए igotkarmayogi.gov.in प्लेटफॉर्म पर अन्य पाठ्यक्रमों का पता लगाने का भी अवसर प्राप्त होगा।

सामूहिकता का भाव

पं. दीनदयाल उपाध्याय

हम देश के वैभव की कामना लेकर चल रहे हैं। रोज अपनी प्रार्थना में भी हम भगवान् से ही आशीर्वाद मांगते हैं कि हमारा राष्ट्र वैभव के परम शिखर पर पहुंचे। वैभव की यह कामना अत्यंत ही स्वाभाविक है, जिसमें यह कामना नहीं, जिसमें यह इच्छा नहीं, उसे मानव कहना अनुपयुक्त होगा। प्रत्येक व्यक्ति ऊंचा उठना चाहता है, आगे बढ़ना चाहता है, सुखी बनना चाहता है। किंतु विचार का प्रश्न यही है कि यह सुख, यह वैभव, यह उत्कर्ष, इसका रूप क्या हो? हम ऊपर बढ़ रहे हैं, इसका मतलब क्या, तो बहुत बार तो लोग इतना ही मतलब समझते हैं कि व्यक्तिगत दृष्टि से हमारा मान-सम्मान बढ़ जाए, हम ऊंचे हो जाएं। हमें सुख के सभी साधन उपलब्ध हो जाएं और लोग उसके लिए प्रयत्न भी करते हैं, पढ़ाई-लिखाई बाकी के जीवन की दौड़-धूप-धंधा - यह सब इसी हिसाब से किया जाता है कि मैं व्यक्ति इस नाते से बड़े से बड़ा बन जाऊं। व्यक्तिगत आकांक्षा को लेकर लोग काम करते हैं।

परंतु जरा गहराई के साथ सोचें तो एक बात पता लगेगी कि यह व्यक्तिगत आकांक्षा जिस समाज में हम पैदा हुए हैं, जिस राष्ट्र के हम अंग हैं, उससे अलग हटकर के पूरी नहीं की जा सकती। अगर कुछ पूरा हो सकता है, अधूरा हो सकता है। अपनी किसी भावना को, आकांक्षा को, आत्मा को दबा के तो किया जा सकता है, किंतु सर्वोत्मुखी विकास, सभी पहलुओं से प्रगति यह अकेले-अकेले नहीं की जा सकती, क्योंकि व्यक्तिगत जीवन नाम की यह चीज़ वास्तव में कोई चीज है नहीं, यह तो शायद शरीर का बंधन है, जिसके कारण ऐसा पता लगता है कि मैं हूं, परंतु जब 'मैं' का हम लोग विचार करते हैं तो हममें से हरेक सोचेगा कि यह 'मैं' क्या है और उस 'मैं' का जब आप विश्लेषण करेंगे, उसका एनालिसिस करेंगे तो उस 'मैं' के अंदर हमें क्या दिखाई देगा? नाम मेरा लीजिए, दीनदयाल। इस दीनदयाल के नाम के साथ मेरा मैं जुड़ा हुआ है, इसके साथ बड़ा मोह भी है। हरेक का अपने नाम के साथ मोह होता है, इसी के द्वारा लोग मुझे पहचानते हैं। मुझे पुकारते हैं और उसका मेरा इतना संबंध हो गया है कि नींद में भी अगर कोई मेरा नाम लेकर पुकारे तो मैं एकदम जाग जाता हूं।

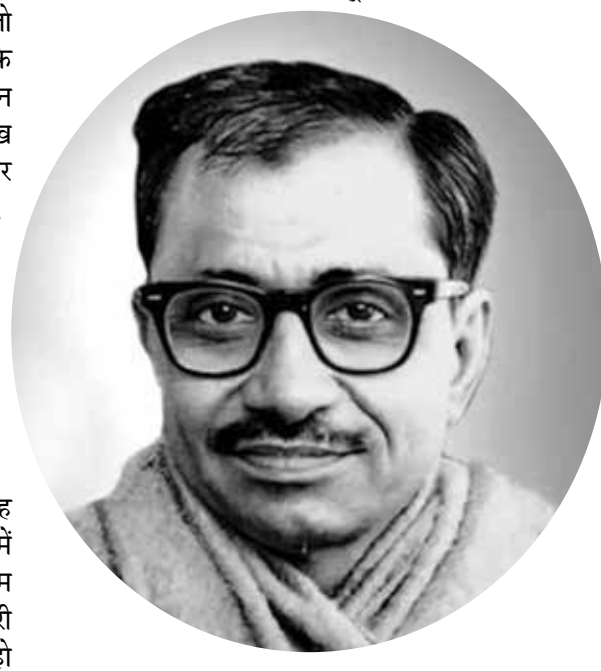

आप जानते हैं कि जब कोई आदमी सोता है तो बाक़ी की आवाज आप करते रहिए एकाएक आंख नहीं खुलती, इधर-उधर के नामों से पुकारते रहिए तो आंख नहीं खुलती। परंतु उसी व्यक्ति का नाम लेकर जब पुकारेंगे तो फिर उसकी नींद खुल जाती है। क्यों खुल जाती है? शोर से अगर नींद खुल जाती। कभी शोर से खुलती है और बहुत बार नहीं खुलती। बाक़ी इधर-उधर के पचास नाम पुकारें, नहीं खुलती और अपने ही नाम को पुकारा तो एकदम कैसे ध्यान आ जाता है। भीड़ में भी अगर कोई एकदम दूर से पुकारे 'दीनदयाल' तो एकदम लगता है कि कोई बुला रहा है। कौन बुला रहा है-आदमी चौंक जाता है, क्योंकि उसके नाम के साथ मैं जुड़ा है, परंतु जब गंभीरता के साथ पूछा जाए कि भई, दीनदयाल नाम आया कहां से, तो पता लगेगा कि इसकी जगह नाम जॉन क्यों नहीं हुआ, इसकी जगह कोई और नाम मोहम्मद बेग क्यों नहीं रखा गया। जिसके साथ मेरा इतना नाता हो गया, सबकुछ जुड़ गया।

लोग कहेंगे कि माता-पिता ने रख दिया। माता-पिता ने भी यही नाम क्यों रखा, क्योंकि नाम मां ने रखा, उससे भी कोई बहुत बड़ा अर्थ तो नहीं। कोई भी नाम रखा जा सकता था, परंतु नहीं रखा, यही रखा। इसका मतलब है कि जिस समाज का मैं अंग हूं, उस समाज में यह नाम प्रचलित है। यह नाम समाज से प्राप्त हुआ है। यह नाम मेरा अपना नहीं है और इसलिए जिस समाज में जो जन्मता है, उसके हिसाब से उसे नाम प्राप्त हो जाता है।

वास्तविकता तो यह है कि समाज से हमारा संबंध नाम के साथ ही हो जाता है। यानी माता-पिता के साथ संबंध जन्म से, परंतु नाम का संबंध तो एकदम समाज के साथ जुड़ गया कि हां, आप इस समाज के हैं और फिर इतना ही नहीं उसके आगे और जुड़ता है, फिर आप बोलते हैं, अब जो भाषा मैं प्रयोग कर रहा हूं, यह भाषा तो मेरी नहीं, मुझे किसी ने दी है। अब लोग बोलते हैं कि मातृभाषा। अब ठीक है कि सबसे पहले मां ही भाषा सिखाती है। वैसे तो एक जगह किसी ने कहा कि भाई, लोग मातृभाषा ही क्यों कहते हैं। पितृभाषा क्यों नहीं कहते। आखिर मां-बाप

दोनों घर में रहते हैं। तो किसी ने कहा कि भाई, यह कहते हैं कि बेचारे पिता को तो घर में बोलने का मौका ही नहीं मिलता, मां ही बोलती रहती है। इसके कारण उसकी मातृभाषा कहते हैं। किंतु बच्चों को बोलना सिखाना सबसे पहले मां ही सिखाती है। परंतु मां अकेली तो नहीं है और भी हैं, आस-पास के लोग हैं। घरवाले हैं, बाकी के लोग हैं, बहुत से शब्द समाज सिखाता है। तो यह भाषा समाज से आई। विचार करने की पद्धति समाज से आई, अच्छा-बुरा क्या है, यह सब समाज से आया, मेरे मन में किस चीज से समाधान होगा, संतोष होगा, यह भी समाज से आता है। आख़िर यह जो चीज़ है, समाज के चार लोग सुख-दुःख बांटते हैं, यह अकेला नहीं है। कोई कहे कि भाई अकेला होता है, तो, यह ग़लत है, अगर अकेले ही में सुख-दुःख हो जाए तो फिर यह जो शादी-विवाह में इतने लोग इकट्ठे किए जाते हैं, जरूरत ही नहीं। परंतु हम जानते हैं कि अपने घर का पैसा खर्च करके लोगों को इकट्ठा करते हैं, बुलाते हैं, खिलाते हैं और कोई नहीं आया, तो उलाहने देते हैं। अब किसी के यहां शादी हो, वह आपको निमंत्रण दे और आप न जाएं और जब वह मिले कहे कि देखो भाई, तुम आए नहीं उस समय तुम जवाब दोगे कि भाई, मैं इसलिए नहीं आया कि मैंने सोचा कि चला जाऊंगा तो तुम्हारा और कुछ न सही तो चार आने का खाकर जाऊंगा, इसलिए तुम्हारी बचत कर दी। ऐसा अगर आप उसको कहें तो उसको बुरा लगेगा। यानी वह बचत नहीं चाहता, बल्कि खर्च करना चाहता है। क्यों? इसलिए कि बिना चार लोग इकट्ठा किए उसका सुख वास्तव में सुख नहीं। सुख-दुःख का संबंध समाज के साथ आता है, समाज का एप्रिसिएशन समाज की सराहना, यह आदमी को सबसे बड़ी लगती है। लोगों का मान-सम्मान भी जो है, उसके लोग बड़े भूखे रहते हैं। अब आजकल क्या है— पद्मश्री, पद्मभूषण इसके भूखे, काहे के भूखे हैं? क्या है पद्मश्री? पद्मभूषण? इनमें न तो कहीं पद्म है, न श्री है। परंतु फिर भी लोगों को लगता है कि उसके पीछे समाज ने एक सम्मान दिया है, यह भावना छिपी है और इसलिए व्यक्ति समाज के सम्मान का ही भूखा रहता है।

समाज ने किसी को बुरा कहा तो बुरा लगता है। समाज ने किसी को अच्छा कहा, तो मन के अंदर अच्छा लगता है। अपना सुख-दुःख इस बात के ऊपर निर्भर करता है। नहीं तो जिसको कहते हैं कि जंगल में मोर नाचा किसने देखा। आदमी चाहता है कि मोर नाचे और लोग देखें और इस दिवानेपन की होड़ में ही सब बातें अच्छी बुरी, अनेक प्रकार की, आदमी कर जाता है। तो यह सब चीज यानी नाम की चीज़ नहीं, और फिर

वास्तविकता यह है कि हम हैं, यही महत्त्व की चीज है। हम हैं इसलिए हमारा सबका सुख है, सामूहिक सुख है और दुःख यह भी सामूहिक वैभव। सामूहिक है और इसलिए हम लोगों ने भगवान् से यही प्रार्थना की है कि हे भगवान् हमारे राष्ट्र को और वैभवशाली बनाओ

बाक़ी के किसी को आप जानते हैं कि बुरा-भला भी किसी को गाली दे दे। मुझे मालूम है, एक जगह ऐसा ही हुआ, गाड़ी का मुझे अनुभव है। गाड़ी में बातचीत हो रही थी और होते-होते दो लोगों के अंदर कुछ तू-तू मैं-मैं हो गई। अब तू-तू, मैं-मैं होती रही और कोई बात नहीं, और उसने फिर उसको दो-चार बुरी-भली भी बातें कहीं, इसने भी उसको जवाब दिया। इतना होते-होते और उसमें से एक ने न मालूम उसको क्या हुआ और जो दूसरे सज्जन थे, वह पंजाबी थे, तो इसलिए यह एकदम बिगड़ा और बोला कि यह सब पंजाबी ऐसे ही होते हैं, इनका न तो दिमाग होता है, न बाक़ी कुछ होता है और हर जगह लड़ने के लिए आमादा हुए रहते हैं। पंजाबी कहकर उसको तो मैंने देखा कि फिर जब तक तो उसको व्यक्तिगत रूप से भला-बुरा कहा, तब तक थोड़ा-बहुत तू-तू, मैं-मैं चल रही थी, पर जैसे ही पंजाबी कहा तो उसको एकदम जोश आ गया और बोला, अच्छा और फिर कहा कि देखो भाई सबकुछ तो ठीक है, अब तक तुमने मुझे गाली दी थी तो सह लिया किंतु तुम तो हमारे सब पंजाबियों को गाली दे रहे हो, यह सहन नहीं होगा। भाई, यह जो बात आ गई है, इसका मतलब यह है कि उसके अंदर कहीं वह चीज है। अगर वह नहीं होती, तो उसको क्या था और इतना नहीं तो और आगे जाकर देखें। अब अगर कोई आज रामचंद्रजी को बुरा-भला कहने लगे, छत्रपति शिवाजी महाराज को बुरा-भला कह दे, भगवान् कृष्ण को कह दे, तब आपका खून भड़केगा कि नहीं? अगर भड़केगा तो क्यों भड़केगा? अगर आपका जितना 'मैं' है, उस 'मैं' का संबंध वह जो शरीर है, उतने तक ही रहता तो क्या? कहीं आपके अंदर रामचंद्रजी बैठे हैं क्या? परंतु लगता है, कहीं-न-कहीं बैठे हैं और इसलिए बुरा लगता है, नहीं तो बुरा लगने का कारण नहीं।

अगर बिल्कुल ही भौतिक दृष्टि से देखें तो यही लगना नहीं चाहिए, परंतु ऐसा लगता है कि कहीं मेरे अंदर रामचंद्रजी हैं। मेरे अंदर श्रीकृष्ण हैं। मेरे अंदर मेरे पूर्वज यानी जो शायद मेरे माता-पिता मर गए, वह भी मेरे अंदर बैठे हैं। कहीं-न-कहीं मेरे अंदर जिसको मेरा मन, मेरा मस्तिष्क, मेरी बुद्धि, मेरी भावना, इनके वह अंग बनकर के बैठे हैं और फिर उसके साथ मेरा देश बैठा है, यानी अगर इसका विश्लेषण करें तो फिर यही पता लगेगा कि फिर 'मैं' नाम की चीज़, यह तो केवल एक शाब्दिक प्रयोग हो गया है। वास्तविकता यह है कि हम हैं, यही महत्त्व की चीज है। हम हैं इसलिए हमारा सबका सुख है, सामूहिक सुख है और दुःख यह भी सामूहिक। वैभव सामूहिक है और इसलिए हम लोगों ने भगवान् से यही प्रार्थना की है कि हे भगवान् हमारे राष्ट्र को और वैभवशाली बनाओ। ■

शेष अगले अंक में...

-शीत शिविर, बौद्धिक वर्ग : बरेली, 4 फरवरी, 1968

सरदार पटेल अपने कामों से ही अजर-अमर और अटल हैं: अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा 31 अक्टूबर, 2022 को सरदार पटेल विद्यालय, नई दिल्ली में दिए गए भाषण का संपादित पाठ :

सरदार वल्लभभाई पटेल कल्पना को जमीन पर उतारने के लिए कठोर परिश्रम और पुरूषार्थ करने वाले कर्मयोगी थे। सरदार पटेल ने अपना पूरा जीवन भारत की आज़ादी, अखंड भारत के निर्माण और नए भारत की नींव डालने में लगा दिया। काफी लंबे समय तक सरदार पटेल को भुलाने का प्रयास किया गया। सरदार वल्लभभाई पटेल को भारत रत्न मिलने, उनका स्मारक बनाने और उनके विचारों को संकलित करके युवा बच्चों की प्रेरणा बनाने में कई साल लग गए। सरदार पटेल अपने कामों से ही अजर-अमर और अटल हैं।

हम आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं और सरदार पटेल के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने 19वीं सदी में थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आज सुबह दुनिया के सबसे ऊंचे, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की। मोदी जी के नेतृत्व में देश के 3 लाख से ज्यादा गांव के करोड़ों किसानों के खेती के औजारों के लोहे को पिघलाकर Statue of Unity बनाया गया है। मोदी जी ने देश के लोगों की आशा, अपेक्षा और स्वप्नों को सरदार साहब की प्रतिमा में संजोने का काम किया है।

ज़मीनी समस्याओं के निवारण में सरदार पटेल जैसी मूल विचारधारा किसी के पास नहीं थी। देश में सहकारिता आंदोलन को जमीन पर उतारने का काम भी सरदार पटेल ने ही किया था। बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि सरदार पटेल ने ही अमूल का बीज बोया और त्रिभुवनदास पटेल जी ने सरदार साहब के विचार, मार्गदर्शन व प्रेरणा से ही अमूल की स्थापना की। 1920 से 1930 के बीच देश में किसानों के शोषण के खिलाफ आवाज़ उठ रही थी और जिस बखूबी से सरदार पटेल ने किसानों को एकत्रित किया, उसे देखकर गांधी जी ने उन्हें सरदार का नाम दिया। लक्षद्वीप, अंडमान निकोबार, जोधपुर, जूनागढ़ और हैदराबाद आज अगर भारत का हिस्सा हैं, तो वो सरदार पटेल के ही कारण हैं। सरदार पटेल के कारण ही भारत माता का मुकुट मणि कश्मीर भी आज भारत के पास है। सरदार पटेल ने ही निर्णय कर वहां सेना भेजने का काम किया था, जिसने पाकिस्तान के सैनिकों को परास्त कर कश्मीर को भारत के साथ जोड़ा।

सरदार पटेल न होते तो भारत का मानचित्र जैसा आज है वैसा न होता। आज़ादी के बाद सरदार पटेल ने पूरे भारत की 500 से ज्यादा रियासतों और राजाओं-रजवाड़ों को एकत्रित करने का काम किया। खराब स्वास्थ्य के बावजूद देशभर की यात्रा कर 500 से ज्यादा रियासतों को भारतीय संघ में जोड़ने का काम सरदार पटेल ने किया। आजादी के बाद भारत में लोकतंत्र की नींव डाली गयी और सरदार वल्लभभाई पटेल के अथक प्रयासों से भारत को एक किया गया। आजादी के समय ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि अंग्रेजों के जाते ही भारत खंड-खंड हो जाएगा। भारतीय नेता कम क्षमता वाले है वो सत्ता के लिए लड़ेंगे, लेकिन सरदार साहब ने पूरे देश को एक किया और आज भारत उसी ब्रिटेन को पीछे छोड़ विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया।

भारत में लोकतंत्र की नींव 75 सालों में बहुत गहरी हुई है और इसी का परिणाम है कि आजादी के बाद लोगों द्वारा शांति से वोट द्वारा लिए गए फैसले को सभी ने माना और बिना किसी रक्तपात के देश में कई बार सत्ता परिवर्तन हुए। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने अथक परिश्रम कर रियासतों का एकीकरण तो किया ही, साथ ही साथ

अखिल भारतीय सेवाओं और आसूचना ब्यूरो की नींव डाली, केंद्रीय पुलिस की कल्पना की और प्रशासनिक सेवाओं के सारे नियम भारतीय स्वरूप में ढालने का कार्य भी किया। सरदार वल्लभभाई पटेल के ही प्रयासों का परिणाम है कि भारत में केंद्र-राज्य के ढांचे में इस प्रकार विभाजन किया गया है कि किसी भी प्रकार का कोई मतभेद न हो और इसी का नतीजा है कि केंद्र-राज्यों के मध्य आज कोई अंतर्विरोध नहीं है।

सरदार पटेल के अहिंसा के विचार भी बहुत वास्तविक थे और उन्होंने हर समस्या का समाधान खोजकर यश पाने की इच्छा ना रखते हुए परिणाम लाने का काम किया। देश को एक ओर जहां महात्मा गांधी जी का आदर्शवादी और आध्यात्मिक नेतृत्व मिला, तो वहीं दूसरी तरफ सरदार पटेल जैसे व्यवहारिक, दूरदर्शी और वास्तविक नेता का साथ मिला। इन दोनों के कॉम्बिनेशन ने भारत को बहुत कुछ दिया है। भारत के संविधान निर्माण की प्रक्रिया के दौरान सरदार पटेल ने कई अहम फैसले लिए। उन्होंने बाबासाहेब डॉ. बी. आर. अंबेडकर को संविधान का प्रारुप बनाने और संकलन करने का काम देने की पैरवी की और संविधान को संतुलित बनाने के लिए कई बार अपने विचार संविधान सभा के सामने रखे। इन सबके बारे में जानने और संविधान की आत्मा को समझने के लिए सरदार पटेल, के. एम. मुन्शी और बाबासाहेब डॉ. बी. आर. अंबेडकर की संविधान चर्चाओं को पढ़ना चाहिए।

आजादी के बाद के 75 साल बहुत कठिन रहे। कभी युद्ध तो कभी आतंकवाद का सामना करना पड़ा, कई वैश्विक और आर्थिक समस्याओं से भी गुजरना पड़ा, लेकिन इन सब कठिनाइयों के बावजूद भारत ने विगत 75 वर्षों में सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी विकास करते हुए लोकतंत्र की नींव को गहरा किया। देश को संविधान की स्प्रिट के अनुसार चलाया और देश की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जिसके चलते दुनिया में कोई भी भारत की सीमा और सेना का अपमान करने का दुस्साहस नहीं कर सकता। भारत ने विकास को गति देते हुए दुनियाभर में अपने अर्थतंत्र को मज़बूती के साथ आगे बढ़ाया है और कुछ ही सालों में इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में भी भारत दुनिया के प्रमुख देशों के नजदीक पहुंच जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आजादी के अमृत महोत्सव को मनाने का निर्णय तीन उद्देश्य से किया। एक, देश की आने वाली युवा पीढ़ी आजादी के आंदोलन और संघर्ष को समझे, दूसरा, 75 साल में हमने जो प्राप्त किया है हम उसको जानें और तीसरा, हम सब आजादी की शताब्दी वर्ष का लक्ष्य तय करें। कोई भी एक छोटा सा संकल्प लें और उसे पूरा करने के लिए कटिबद्ध रहना चाहिए।

सरदार वल्लभभाई पटेल कल्पना को जमीन पर उतारने के लिए कठोर परिश्रम और पुरुषार्थ करने वाले कर्मयोगी थे। सरदार पटेल ने अपना पूरा जीवन भारत की आज़ादी, अखंड भारत के निर्माण और नए भारत की नींव डालने में लगा दिया

सरदार पटेल विद्यालय में पूरी प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में होती है, हिंदी के साथ-साथ तमिल, उर्दू और बांग्ला को भी सीखने का अवसर मिलता है। हम भारत की किसी भी भाषा व बोली को लुप्त नहीं होने देंगे। हम कोई भी भाषा सीखें मगर अपनी मातृभाषा कभी मत छोड़ें, क्योंकि व्यक्ति की क्षमता बढ़ाने, निर्णय पर पहुंचने व विश्लेषण की प्रक्रिया करने का सबसे अच्छा माध्यम उसकी मातृभाषा होती है। देश में अंग्रेजी की जानकारी को बौद्धिक क्षमता के साथ जोड़ा जाता है परन्तु भाषा मात्र अभिव्यक्ति का माध्यम है, भाषा आपकी क्षमता की परिचायक नहीं है और अगर आपके अंदर क्षमता है तो दुनिया को आपको सुनना ही पड़ेगा। अभिभावकों से बच्चों के साथ अपनी मातृभाषा में बात करना चाहिए। युवाओं की यह जिम्मेदारी है कि वे भाषा के कारण बने इंफेरियारिटी कॉम्प्लेक्स के माहौल को तोड़ें। देश के विकास में योगदान का श्रेय यदि हम केवल अच्छी अंग्रेजी बोलने वाले कुछ ही लोगों को देते हैं तो अपनी भाषा में सोचने, बोलने, लिखने, रिसर्च एंड डेवलपमेंट करने वाले अधिकांश बच्चों को विकास की प्रक्रिया से काटकर सोसाइटी के अंदर दो हिस्से कर देते हैं। भाषा से हम अपनी संस्कृति और साहित्य को जानते हैं और सोचने की प्रक्रिया को ज्यादा प्रबल व प्रखर बनाते हैं। मोदी सरकार की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का भी महत्वपूर्ण आयाम है कि बच्चों की प्राथमिक शिक्षा अपनी भाषा में होनी चाहिए, टेक्निकल एजुकेशन, अनुसंधान और मेडिकल एजुकेशन भी स्थानीय भाषा में उपलब्ध होनी चाहिए।

हमें महात्मा गांधी और सरदार पटेल की कल्पना का आत्मविश्वास से भरपूर ऐसा भारत बनाना है जो दुनिया की स्पर्धा में सबसे आगे निकले और ऐसा भारत तभी बन सकता है जब हम भाषा की हीन भावना को छोड़ें। कुछ लोगों द्वारा भुलाने के किए गए लाख प्रयासों के बावजूद सरदार पटेल आज भी देश के हर व्यक्ति के मन में बसे हुए हैं, क्योंकि वे भारत की मिट्टी की सुगंध से उपजे एक व्यावहारिक नेता और भारतीय संस्कृति के प्रतीक थे, जिन्होंने कभी कुछ प्राप्त करने की इच्छा नहीं रखी। लौह पुरुष सरदार पटेल ने आजादी के समय कांग्रेस की वर्किंग कमेटी में सबसे ज्यादा वोट मिलने के बाद भी देश के प्रधानमंत्री पद का त्याग कर दिया, ताकि देश के अंदर बन रही नई सरकार में विवाद न उपजे और हमारे दुश्मन मजबूती न हों। सरदार वल्लभभाई पटेल के बारे में पढ़ने और उनके बताए मार्ग पर चलने का प्रयास करना चाहिए, ताकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आजादी की शताब्दी में भारत को दुनिया में नंबर एक बनाने के लिए चलाए गए अभियान को ताकत मिले। ■

मोदी स्टोरी

ज्योतिग्राम योजनाः मोदीजी की इच्छाशक्ति ने असंभव को संभव कर दिखाया

सौरभ पटेल

पूर्व कैबिनेट मंत्री, गुजरात सरकार

जिस चीज को दशकों से असंभव माना जाता रहा, उसे गुजरात के लोगों के लिए काम करने की श्री नरेन्द्र मोदी की इच्छाशक्ति ने संभव कर दिखाया। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी ने 'ज्योतिग्राम योजना' के माध्यम से ग्रामीण परिवारों को 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति करने का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया।

यद्यपि 'ज्योतिग्राम योजना' 2006 में गुजरात के 18,000 गांवों के ग्रामीण परिवारों को 24 घंटे बिजली की आपूर्ति सफलतापूर्वक प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी, लेकिन इस कार्य को पूरा करना आसान नहीं था। यह तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक इच्छाशक्ति ही थी, जिसने वास्तव में इस योजना को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए काम किया।

श्री सौरभ पटेल, पूर्व ऊर्जा मंत्री, गुजरात बताते हैं कि कैसे श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने 'ज्योतिग्राम योजना' को एक वास्तविकता बना दिया।

श्री नरेन्द्र मोदी चुनाव प्रचार के दौरान गुजरात के गांवों में जाते थे और ग्रामीण उनसे बिजली नहीं मिलने की शिकायत करते थे। श्री मोदी एक बार एक विशेष घटना से रूबरू हुए, जहां ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि रात के खाने के समय भी बिजली नहीं होती है। वे श्री मोदी से यह अनुरोध करने के लिए आगे बढ़े कि क्या वह कम से कम रात के खाने के समय बिजली प्रदान करने के लिए कुछ कर सकते है। और यही क्षण श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को मूर्त रूप देने वाला साबित हुआ।

> 'ज्योतिग्राम योजना' ने गुजरात के हर गांव को निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रदान की। यह योजना इतनी सफल रही कि अब इसे राष्ट्रीय स्तर पर भी लागू किया जा रहा है। ऐसा था श्री नरेन्द्र मोदी का भविष्यवादी दृष्टिकोण

मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों और गुजरात बिजली बोर्ड से चर्चा शुरू की। नौकरशाहों ने इसे एक असंभव कार्य बताया, क्योंकि कृषि के लिए सब्सिडी वाली बिजली प्रदान करने वाले फीडरों का उपयोग घरों में बिजली प्रदान करने के लिए नहीं किया जा सकता है। इस पर श्री मोदी ने सब्सिडी वाली और कृषि बिजली के लिए अलग-अलग फीडर बनाने का फैसला किया।

जीईबी के अधिकारियों ने उन्हें सूचित किया कि इसके लिए लाखों पोल, ट्रांसफार्मर और अलग वायरिंग की आवश्यकता होगी और इस कार्यों के लिए उनके पास मौजूद कार्यबल नाकाफी साबित हो सकता है।

लेकिन यह केवल श्री नरेन्द्र मोदी की इच्छाशक्ति ही थी जिसने उन्हें इस परियोजना के साथ आगे बढ़ने और इसकी घोषणा के लगभग 1000 दिनों के भीतर कार्य को पूरा करने के लिए प्रेरित किया।

वर्ष 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने प्रदेश में 'ज्योतिग्राम योजना' की शुरुआत की। उन्होंने इसे ग्रामीण भारत और राष्ट्र को मजबूत करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम बताया।

'ज्योतिग्राम योजना' ने गुजरात के हर गांव को निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रदान की। यह योजना इतनी सफल रही कि अब इसे राष्ट्रीय स्तर पर भी लागू किया जा रहा है। ऐसा था श्री नरेन्द्र मोदी का भविष्यवादी दृष्टिकोण। ■

'केवल जीरो टॉलरेंस का दृष्टिकोण ही आतंकवाद को पराजित कर सकता है'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दृढ़ता से आतंकवाद से निपटने में संशय की किसी भी स्थिति से बचने को कहा है और उन देशों को भी चेतावनी दी है, जो आतंकवाद का विदेश नीति के एक साधन के रूप में इस्तेमाल करते हैं। प्रधानमंत्री आतंकवाद-रोधी वित्तपोषण पर 18 नवंबर को नई दिल्ली में तीसरे 'नो मनी फॉर टेरर' (एनएमएफटी) मंत्रिस्तरीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

सभा का स्वागत करते हुए श्री मोदी ने भारत में होने वाले सम्मेलन के महत्व की चर्चा की और याद दिलाया कि जब देश ने बहुत पहले आतंक का काला चेहरा देखा, तब दुनिया ने इसे गंभीरता से लिया। उन्होंने कहा कि दशकों से विभिन्न नामों और रूपों में आतंकवाद ने भारत को चोट पहुंचाने की कोशिश की।

श्री मोदी ने कहा कि भले ही हजारों कीमती जानें चली गईं, भारत ने आतंकवाद का बहादुरी से मुकाबला किया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह सभी प्रतिनिधियों के लिए भारत और उसके लोगों के साथ बातचीत करने का एक अवसर है, जो आतंकवाद से निपटने में दृढ़ रहे हैं।

आतंकवाद वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरा: अमित शाह

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 18 नवंबर को नई दिल्ली में आतंकवाद के वित्तपोषण का मुक़ाबला पर तीसरे 'नो मनी फॉर टेरर' मंत्रीस्तरीय सम्मेलन के 'आतंकवाद और आतंकवादियों को वित्त उपलब्ध कराने की वैश्विक प्रवृत्ति' विषय पर प्रथम सत्र की अध्यक्षता की।

अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में गृह मंत्री ने कहा कि टेररिज्म, निस्संदेह, वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरा है, लेकिन उनका मानना है कि टेररिज्म का वित्तपोषण, टेररिज्म से कहीं अधिक खतरनाक है, क्योंकि टेररिज्म के 'मीन्स एंड मेथड' को इसी फण्ड से पोषित किया जाता है, इसके साथ-साथ दुनिया के सभी देशों के अर्थतंत्र को कमजोर करने का भी काम टेररिज्म के वित्तपोषण से होता है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि टेररिज्म के वित्तपोषण की समस्या व्यापक हो चुकी है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने टेररिज्म के वित्तपोषण पर नकेल कसने में सफलता हासिल की है। टेररिज्म के

वित्तपोषण के खिलाफ भारत की स्ट्रेटेजी इन छः स्तंभों पर आधारित है:

1. **लेजिस्लेटिव और टेक्नोलॉजिकल फ्रेमवर्क को मजबूत करना**
2. **व्यापक मोनिटरिंग फ्रेमवर्क का निर्माण करना**
3. **सटीक इंटेलिजेंस साझा करने का तंत्र, इन्वेस्टीगेशन एवं पुलिस ऑपरेशन्स को मजबूत करना**
4. **संपत्ति की जब्ती का प्रावधान**
5. **कानूनी संस्थाओं और नई तकनीकों के दुरुपयोग रोकना**
6. **अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं समन्वय स्थापित करना** ■

भारत में बिम्सटेक के कृषि मंत्रियों की बैठक

अनूकूल कृषि खाद्य प्रणाली व पोषण के लिए मिलेट को बढ़ावा देने की भारत की पहल में भागीदारी की अपील

बंगाल की खाड़ी बहुक्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग उपक्रम (बिम्सटेक) की दूसरी कृषि मंत्री-स्तरीय बैठक 10 नवंबर को भारत की मेजबानी में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर की अध्यक्षता में हुई। इसमें भूटान, बांग्लादेश, नेपाल, म्यांमार, श्रीलंका व थाईलैंड के कृषि मंत्रियों ने भाग लिया।

बैठक को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए श्री तोमर ने सदस्य देशों से कृषि के कायाकल्प के लिए सहयोग मजबूत करने हेतु व्यापक क्षेत्रीय कार्यनीति विकसित करने में सहयोग का अनुरोध किया।

उन्होंने पोषक आहार के रूप में मिलेट के महत्व व अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 के दौरान मिलेट व इसके उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए भारत द्वारा किए प्रयासों का उल्लेख करते हुए सदस्य देशों से अनुरोध किया कि वे अनूकूल कृषि खाद्य प्रणाली और सभी के पोषण हेतु स्वास्थ्यवर्धक खाद्य के रूप में मिलेट को बढ़ावा देने के लिए भारत की पहल में सक्रिय रूप से भागीदार बनें।

श्री तोमर ने कहा कि कृषि जैव विविधता संरक्षण एवं रसायन के प्रयोग में कमी के लिए प्राकृतिक व पारिस्थितिक खेती को बढ़ावा देना चाहिए। ■

प्रधानमंत्री ने बेंगलुरु में श्री नादप्रभु केम्पेगौड़ा की 108 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा का किया अनावरण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 11 नवंबर को बेंगलुरु में श्री नादप्रभु केम्पेगौड़ा की 108 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया। श्री मोदी ने प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और पवित्र जल चढ़ाया। उन्होंने एक पौधा भी लगाया।

यह प्रतिमा बेंगलुरु के विकास में इस शहर के संस्थापक नादप्रभु केम्पेगौड़ा के योगदानों को याद करने के उद्देश्य से बनाई गई है। 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' से प्रसिद्धि हासिल करने वाले राम वी. सुतार द्वारा संकल्पित और गढ़ी गई इस प्रतिमा के निर्माण में 98 टन कांस्य और 120 टन स्टील का उपयोग किया गया है।

प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, "बेंगलुरू के निर्माण में श्री नादप्रभु केम्पेगौड़ा की भूमिका अद्वितीय है। उन्हें एक ऐसे दूरदर्शी व्यक्तित्व के रूप में याद किया जाता है, जिसने हमेशा लोगों के कल्याण को हर चीज से ऊपर रखा। बेंगलुरु में 'स्टैच्यू ऑफ प्रॉस्पेरिटी' का उद्घाटन कर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।"

श्री मोदी के साथ कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई, कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत और केन्द्रीय मंत्री श्री प्रहलाद जोशी सहित कई गण्यमान्य लोग उपस्थित थे।

बेंगलुरु स्थित केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 का उद्घाटन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 11 नवंबर को बेंगलुरु स्थित केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 का उद्घाटन किया। श्री मोदी ने इस दौरान हवाई अड्डे के अधिकारियों से भी बातचीत की, जहां उन्हें टर्मिनल-2 बिल्डिंग के मॉडल के संबंध जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री ने वहां स्थित अनुभव केंद्र की सुविधा का भी निरीक्षण किया और हवाई अड्डे के टर्निमल-2 के भीतरी रास्ते का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां टर्मिनल-2 के बारे में एक लघु फिल्म भी देखी।

श्री मोदी ने ट्वीट कर कहा कि बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का टर्मिनल-2 हवाई अड्डे की क्षमता में वृद्धि

करेगा और सुविधा में इजाफा करेगा। यह हमारे शहरी ढांचे को सर्वोत्कृष्ट संरचना मुहैया कराने के हमारे प्रयासों का हिस्सा है। टर्मिनल बेहद खूबसूरत और यात्रियों के लिए सुविधाजनक है। इसका उद्घाटन कर खुशी हुई।

बेंगलुरू के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 का निर्माण करीब 5000 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। यह टर्मिनल हवाई अड्डे की यात्री वहन क्षमता को दोगुना कर प्रतिवर्ष 5 से 6 करोड़ यात्री कर देगा। अभी यहां ढाई करोड़ यात्रियों के आवागमन की सुविधा है। ■

तेलंगाना के रामागुंडम में उर्वरक संयंत्र राष्ट्र को समर्पित

रामागुंडम संयंत्र स्वदेशी नीम-कोटेड यूरिया का 12.7 एलएमटी उत्पादन प्रति वर्ष उपलब्ध कराएगा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 नवंबर को तेलंगाना के रामागुंडम में 9500 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का शिलान्यास किया और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। इससे पहले प्रधानमंत्री ने रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) संयंत्र का दौरा किया।

प्रधानमंत्री का तेलंगाना दौरा

श्री मोदी ने रामागुंडम में उर्वरक संयंत्र राष्ट्र को समर्पित किया, जिसकी रामागुंडम परियोजना की आधारशिला भी 7 अगस्त, 2016 को प्रधानमंत्री द्वारा रखी गई थी। इस उर्वरक संयंत्र के पुनरुद्धार के पीछे की प्रेरक शक्ति दरअसल प्रधानमंत्री का विजन है कि यूरिया के उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करनी है। रामागुंडम संयंत्र स्वदेशी नीम-कोटेड यूरिया का 12.7 एलएमटी उत्पादन प्रति वर्ष उपलब्ध कराएगा।

ये संयंत्र तेलंगाना राज्य के साथ-साथ आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में किसानों को यूरिया उर्वरक की पर्याप्त और समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। ये संयंत्र न सिर्फ उर्वरक की उपलब्धता में सुधार करेगा, बल्कि इससे इस क्षेत्र के समग्र आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा जिसमें सड़क, रेलवे, सहायक उद्योगों जैसे बुनियादी ढांचे का विकास शामिल है।

श्री मोदी ने लगभग 1000 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित भद्राचलम रोड-सत्तुपल्ली रेल लाइन भी राष्ट्र को समर्पित की। उन्होंने 2200 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न सड़क परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। ये परियोजनाएं हैं— एनएच-765डीजी का मेडक-सिद्दीपेट-एलकाठुर्ति खंड; एनएच-161बीबी का बोधन-बसर-भैंसा खंड; एनएच-353सी का सिरोंचा से महादेवपुर खंड। ■

सदियों से समुद्र भारत के लिए समृद्धि का स्रोत रहा है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री ने विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में 10,500 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की अनेक परियोजनाओं का शिलान्यास किया और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 नवंबर को विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में 10,500 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की अनेक परियोजनाओं का शिलान्यास किया और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। श्री मोदी ने अपने संबोधन का आरंभ उस समय को याद करते हुए किया, जब विप्लव वीरुदू अल्लुरू सीतारामराजू की 125वीं जयंती के अवसर पर उन्हें आंध्रप्रदेश आने का अवसर मिला था।

उन्होंने कहा कि विशाखापत्तनम कारोबार और व्यापार की अत्यंत समृद्धशाली परंपरा वाला अति विशिष्ट शहर है। श्री मोदी ने कहा कि विशाखापत्तनम प्राचीन भारत का महत्वपूर्ण बंदरगाह होने के नाते हजारों साल पहले पश्चिम एशिया और रोम जाने वाले व्यापार मार्ग का हिस्सा रहा है। वह वर्तमान समय और युग में भी भारतीय व्यापार का मुख्य स्थल है।

> **सदियों से समुद्र भारत के लिए समृद्धि का स्रोत रहा है तथा हमारे समुद्री तट इस समृद्धि का प्रवेश द्वार रहे हैं। करोड़ों रुपये की कीमत वाली परियोजनाएं, जो देश के बंदरगाहों के विकास के लिए हैं, उनमें आज के बाद और विस्तार होगा**

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज 10,500 करोड़ रुपये की कीमत वाली परियोजनाओं का लोकार्पण हो रहा है और उनकी आधारशिला रखी जा रही है। ये परियोजनाएं अवसंचरना में नये आयाम जोड़कर, जीवन सुगमता और 'आत्मनिर्भर भारत' के जरिये विशाखापत्तनम तथा आंध्रप्रदेश की उम्मीदों व आकांक्षाओं को पूरा करने का माध्यम बनेंगी।

श्री मोदी ने कहा कि बात चाहे शिक्षा की हो या उद्यमिता की, प्रौद्योगिकी की हो या चिकित्सा व्यवसाय की, हर क्षेत्र में आंध्रप्रदेश के लोगों ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि यह पहचान सिर्फ व्यावसायिक गुणों का परिणाम नहीं है, बल्कि आंध्रप्रदेश के लोगों का मिलनसार और हंसमुख स्वभाव भी इसका कारण है। श्री मोदी ने हर्ष व्यक्त किया कि परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास आज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे राज्य के विकास को और गति मिलेगी।

श्री मोदी ने कहा कि इस अमृतकाल में भारत विकसित देश बनने के उद्देश्य के साथ विकास-पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

साथ ही, प्रधानमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि सदियों से समुद्र भारत के लिए समृद्धि का स्रोत रहा है तथा हमारे समुद्री तट इस समृद्धि का प्रवेश द्वार रहे हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि करोड़ों रुपये की कीमत वाली परियोजनाएं, जो देश के बंदरगाहों के विकास के लिए हैं, उनमें आज के बाद और विस्तार होगा। अपने संबोधन का समापन करते हुए श्री मोदी ने कहा कि 21वीं सदी का भारत विकास के समग्र विचार को जमीन पर उतार रहा है।

विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए आधारशिला रखी। यह कार्य लगभग 450 करोड़ रुपये की लागत से किया जायेगा। पुनर्विकसित स्टेशन में प्रतिदिन 75,000 यात्रियों की सेवा करने की क्षमता बढ़ेगी तथा आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होने से यात्रियों का अनुभव बेहतर होगा।

श्री मोदी ने विशाखापत्तनम मछली-बंदरगाह के उन्नयन और आधुनिकीकरण के लिए भी आधारशिला रखी। इस परियोजना की कुल लागत लगभग 150 करोड़ रुपये है। उन्नयन और आधुनिकीकरण के बाद मछली-बंदरगाह की कामकाजी क्षमता 150 टन प्रतिदिन से बढ़कर लगभग 300 टन प्रतिदिन हो जायेगी।

प्रधानमंत्री ने छह लेन वाले ग्रीनफील्ड रायपुर-विशाखापत्तनम आर्थिक कॉरिडोर के आंध्रप्रदेश सेक्शन की आधारशिला भी रखी। इसका निर्माण 3750 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से होगा। आर्थिक कॉरिडोर छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा से विशाखापत्तनम बंदरगाह और चेन्नई-कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग के औद्योगिक केंद्रों के बीच तेज कनेक्टीविटी उपलब्ध करायेगा। इसके जरिये आंध्रप्रदेश और ओडिशा के जनजातीय व पिछड़े क्षेत्रों में कनेक्टीविटी में सुधार आयेगा।

श्री मोदी ने विशाखापत्तनम में कॉन्वेंट जंक्शन से शीला नगर जंक्शन तक एक समर्पित बंदरगाह मार्ग का भी शिलान्यास किया। स्थानीय और बंदरगाह जाने वाले मालवाहकों को अलग-अलग करके इसके जरिये विशाखापत्तनम शहर में यातायात की भीड़-भाड़ को कम करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय राजमार्ग 326ए के नरसन्नापेट से पथापत्तनम सेक्शन का भी लोकार्पण किया।

श्री मोदी ने आंध्रप्रदेश में ओएनजीसी की यू-फील्ड ऑनशोर डीपवॉटर ब्लॉक परियोजना का लोकार्पण किया, जिसका विकास 2900 करोड रुपये से अधिक की लागत से हुआ है। यह परियोजना गहरे पानी में गैस की खोज से सम्बंधित है, जिसके जरिये प्रतिदिन लगभग तीन मिलियन मानक घन मीटर (एमएमएससीएमडी) गैस का उत्पादन क्षमता हासिल होगी। ■

17वां जी20 शिखर सम्मेलन

भारत जी20 का अध्यक्ष बना

भारत की जी20 अध्यक्षता समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्रवाई-उन्मुख होगी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17वें जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 14-16 नवंबर के दौरान इंडोनेशिया स्थित बाली का दौरा किया। बाली शिखर सम्मेलन के दौरान श्री मोदी ने वैश्विक विकास को फिर से पटरी पर लाने, खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य और डिजिटल परिवर्तन जैसे वैश्विक चिंता के प्रमुख मुद्दों पर जी20 के अन्य नेताओं के साथ व्यापक चर्चा की। वे इस दौरान विश्व के कई नेताओं से मिले और उनके साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की।

बाली शिखर सम्मेलन के समापन समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति श्री जोको विडोडो ने भारत को जी20 की अध्यक्षता सौंपी। उल्लेखनीय है कि भारत आधिकारिक तौर पर 1 दिसंबर, 2022 से जी20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा।

'खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा' सत्र

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 नवंबर को 'खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा' सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन, कोविड महामारी, यूक्रेन का घटनाक्रम और उससे जुड़ी वैश्विक समस्याएं; इन सबने मिलकर विश्व मे तबाही मचा दी है। वैश्विक आपूर्ति शृंखला तहस-नहस हो गई हैं। पूरी दुनिया मे आवश्यक वस्तुओं की सप्लाइ का संकट बना हुआ है। हर देश के गरीब नागरिकों के लिए चुनौती और गंभीर है। वे पहले से ही रोजमर्रा के जीवन से जूझ रहे थे। उनके पास दोहरी मार से जूझने की आर्थिक क्षमता नहीं है।

उन्होंने कहा कि भारत क्लीन एनर्जी और पर्यावरण के प्रति कमिटेड है। 2030 तक हमारी आधी बिजली renewable स्रोतों से पैदा होगी। समावेशी एनर्जी ट्रांजीशन के लिए विकासशील देशों को समय-बद्ध और किफायती फाइनेंस और टेक्नोलॉजी की स्थायी आपूर्ति अनिवार्य है।

'डिजिटल ट्रान्सफर्मेशन' सत्र

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 16 नवंबर को 'डिजिटल ट्रान्सफर्मेशन' सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल ट्रान्सफर्मेशन हमारे दौर का सबसे उल्लेखनीय बदलाव है। डिजिटल तकनीक का उचित उपयोग, गरीबी के खिलाफ दशकों से चल रही वैश्विक लड़ाई में फोर्स multiplier बन सकता है।

उन्होंने कहा कि पिछले साल विश्व के 40 प्रतिशत से अधिक real-time payment transactions (वास्तविक समय भुगतान लेनदेन) UPI के जरिए हुए। इसी तरह हमने डिजिटल आइडेंटिटी के आधार पर 460 मिलियन नए बैंक खाते खोले, जिससे भारत आज वित्तीय समावेशन में ग्लोबल लीडर बन रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि भारत मे तो हम डिजिटल access को सार्वजनिक कर रहे हैं, किन्तु अंतर-राष्ट्रीय स्तर पर आज भी एक बहुत बड़ी डिजिटल डिवाइड है। विश्व के अधिकतर विकासशील देशों के नागरिकों के पास किसी भी प्रकार की डिजिटल आइडेंटिटी नहीं है। केवल 50 देशों के पास ही डिजिटल भुगतान प्रणाली मौजूद है। उन्होंने कहा कि क्या हम साथ मिलकर यह प्रण ले सकते हैं कि अगले दस सालों मे हम हर मनुष्य के जीवन मे डिजिटल transformation लाएंगे, डिजिटल टेक्नॉलजी के लाभ से विश्व का कोई व्यक्ति वंचित नहीं रहेगा।

वैश्विक विकास महिलाओं की भागीदारी के बिना संभव नहीं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 16 नवंबर को समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत जी20 का जिम्मा ऐसे समय ले रहा है जब विश्व भू-राजनैतिक तनावों, आर्थिक मंदी, खाद्यान्न और ऊर्जा की बढ़ी हुई कीमतों और महामारी के दीर्घकालीन दुष्प्रभावों से एक साथ जूझ रहा है। ऐसे समय विश्व जी20 की तरफ आशा

की नजर से देख रहा है। आज मैं यह आश्वासन देना चाहता हूं कि भारत की जी20 अध्यक्षता समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्रवाई-उन्मुख होगी।

उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि विकास के लाभ सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी हों। हमें विकास के लाभों को मम-भाव और सम-भाव से मानव मात्र तक पहुंचाना होगा। वैश्विक विकास महिलाओं की भागीदारी के बिना संभव नहीं है। हमें अपने जी20 एजेंडा में महिलाओं के नेतृत्व में विकास पर प्राथमिकता बनाए रखनी होगी।

श्री मोदी ने कहा कि जी20 की अध्यक्षता ग्रहण करना हर भारतीय के लिए गर्व का अवसर है। हम अपने देश के विभिन्न शहरों और राज्यों में जी20 की बैठकें आयोजित करेंगे।

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के साथ मुलाकात

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 नवंबर को जी20 के नेताओं के शिखर सम्मेलन के अवसर पर अमेरिका के राष्ट्रपति श्री जोसेफ आर. बाइडेन और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति श्री जोको विडोडो से मुलाकात की।

श्री मोदी और श्री बाइडेन ने महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों, उन्नत कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे भविष्य-उन्मुख क्षेत्रों में सहयोग समेत निरंतर प्रगाढ़ होती भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की। दोनों नेताओं ने क्वाड, आई2यू2 जैसे नए समूहों में भारत और अमेरिका के बीच घनिष्ठ सहयोग पर संतोष व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत की अध्यक्षता के तहत जी20 के कार्यों का समर्थन करने की प्रतिबद्धता के लिए राष्ट्रपति श्री विडोडो और राष्ट्रपति श्री बाइडेन को धन्यवाद दिया।

वैश्विक नेताओं से द्विपक्षीय बैठकें

ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 16 नवंबर को अनेक वैश्विक नेताओं से द्विपक्षीय बैठकें कीं। श्री मोदी ने शिखर सम्मेलन से इतर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री श्री ऋषि सुनक के साथ बैठक की। बैठक के दौरान आपसी सहयोग के महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसेकि व्यापार, गतिशीलता, रक्षा और सुरक्षा पर चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री श्री एंथोनी अल्बानीज से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत दोनों देशों के बीच संबंधों की उत्कृष्ट स्थिति तथा भारत और आस्ट्रेलिया के बीच नियमित आधार पर होने वाली उच्चस्तरीय बातचीत पर संतोष व्यक्त किया।

फ्रांस, इटली

जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांस गणराज्य के राष्ट्रपति श्री इमैनुएल मैक्रॉन से दोपहर के भोजन के अवसर पर मुलाकात की। दोनों राजनेताओं ने रक्षा, असैन्य परमाणु, व्यापार और निवेश जैसे विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे सहयोग की समीक्षा की।

श्री मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री सुश्री जियॉर्जिया मेलोनी से भेंट की। दोनों नेताओं ने व्यापार व निवेश, आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई और लोगों के बीच मेलमिलाप सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सम्बम्धों को प्रगाढ़ बनाने पर चर्चा की।

सिंगापुर, जर्मनी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शिखर सम्मेलन के दौरान सिंगापुर के प्रधानमंत्री श्री ली सिएन लूंग से भेंट की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच व्यापार तथा निवेश संपर्कों, खासतौर से फिन-टेक, नवीकरणीय ऊर्जा, कौशल विकास, स्वास्थ्य तथा फार्मा क्षेत्रों को विस्तार देने के विषयों पर अपने संकल्प को दोहराया।

श्री मोदी ने जर्मनी के संघीय गणराज्य के चांसलर श्री ओलाफ स्कोल्ज से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत और जर्मनी के बीच व्यापक द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की, जिसने आईजीसी के दौरान प्रधानमंत्री और चांसलर द्वारा हरित एवं सतत विकास से संबंधित साझेदारी पर हस्ताक्षर के साथ एक नए चरण में प्रवेश किया।

प्रवासी भारतीय समुदाय और फ्रेंड्स ऑफ इंडिया को संबोधन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 नवंबर को इंडोनेशिया के बाली में प्रवासी भारतीय समुदाय और फ्रेंड्स ऑफ इंडिया के 800 से अधिक सदस्यों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने भारत और इंडोनेशिया के बीच घनिष्ठ सांस्कृतिक एवं सभ्यतागत संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने दोनों देशों के बीच चिरस्थायी सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंधों को रेखांकित करने के लिए 'बाली जात्रा' की सदियों पुरानी परंपरा का उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जी20 के अन्य नेताओं के साथ 16 नवंबर को 'तमन हटन राया नगुराह राय' मैंग्रोव वनों का दौरा किया और वहां पौधे लगाए। ■

'हम इस पृथ्वी ग्रह के ट्रस्टी हैं'

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने मिस्र के शर्म-अल-शेख में आयोजित जलवायु परिवर्तन पर कॉप 27 में 15 नवंबर को भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य दिया। यहां प्रस्तुत है वक्तव्य के मुख्य अंशः

एक साल पहले ग्लासगो में किए गए विज्ञान के आह्वान पर हमने सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की और महत्वपूर्ण संकल्प एवं प्रतिबद्धताओं के साथ आगे आए। इस साल शर्म-अल-शेख में हमारे लिए कार्रवाई करने का अवसर है और इसकी अध्यक्षता कर रहे मिस्र ने इसे यथोचित रूप से ही कार्यान्वयन का कॉप करार दिया है।

हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ग्लासगो में साल 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के भारत के लक्ष्य की घोषणा की थी। एक वर्ष के भीतर भारत ने प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों में कम कार्बन संक्रमण वाले मार्गों को इंगित करते हुए अपनी लंबी अवधि की कम उत्सर्जन वाली विकास रणनीति प्रस्तुत की है।

हमारे 2030 के जलवायु लक्ष्यों में महत्वाकांक्षा की वृद्धि संबंधी आह्वान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारत ने अगस्त, 2022 में अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान को अद्यतन किया था। हमने वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत के रूप में नवीकरणीय ऊर्जा, ई-मोबिलिटी, इथेनॉल मिश्रित ईंधन और ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में नए दूरगामी कदम उठाए हैं।

हम अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और आपदा अनुकूल अवसंरचना के लिए गठबंधन (सीडीआरआई) जैसे कार्रवाई और समाधानोन्मुख गठबंधनों के माध्यम से मजबूत अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के इच्छुक हैं। ये दोनों ही गठबंधन भारत द्वारा प्रारंभ और पोषित किए गए हैं। यह विश्व कल्याण हेतु सामूहिक कार्रवाई के हमारे लोकाचार का प्रमाण है।

1.3 बिलियन लोगों का घर भारत, विश्व

भर के संचयी उत्सर्जन में अब तक अपना योगदान 4 प्रतिशत से कम होने और हमारा वार्षिक प्रति व्यक्ति उत्सर्जन वैश्विक औसत का लगभग एक तिहाई होने की वास्तविकता के बावजूद इस दिशा में विकट प्रयास कर रहा है।

> **विश्व को नासमझी भरे और विनाशकारी खपत वाले रवैये में आमूल-चूल बदलाव लाकर सोच-समझकर और उद्देश्यपूर्ण उपयोग का रवैया अपनाने की आवश्यकता है**

सुरक्षित ग्रह के भारत के विज़न के केंद्र में एक ही मंत्र है— लाइफस्टाइल फॉर एनवायरमेंट, जिसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कॉप 26 में हमारे राष्ट्रीय वक्तव्य के अंतर्गत सामने रखा था। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 20 अक्टूबर, 2022 को संयुक्त राष्ट्र महासचिव महामहिम एंटोनियो गुटेरेस की उपस्थिति में मिशन लाइफ को लॉन्च किया था।

विश्व को नासमझी भरे और विनाशकारी खपत वाले रवैये में आमूल-चूल बदलाव लाकर सोच-समझकर और उद्देश्यपूर्ण उपयोग का रवैया अपनाने की आवश्यकता है। हम इस पृथ्वी ग्रह के ट्रस्टी हैं। हमें इसे ऐसी स्थायी जीवन शैली के माध्यम से पोषित करना चाहिए, जो संसाधनों के उपयोग को अनुकूलित करती हो और कम से कम अपशिष्ट उत्पन्न करती हो।

दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले लोकतंत्र और जीवंत उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में भारत अनुकरणीय नेतृत्व की दिशा में प्रयासरत है और वैश्विक समुदाय को व्यक्तिगत, परिवार और समुदाय-आधारित कार्यों के लिए मिशन लाइफ का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करता है।

भारत 2023 में 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के आदर्श वाक्य के साथ जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण कर रहा है। मानवता के लिए सुरक्षित ग्रह की ओर हमारी यात्रा, एक ऐसी यात्रा है जिसे कोई भी राष्ट्र अकेले नहीं कर सकता। यह एक सामूहिक यात्रा है, जिसे समानता और जलवायु न्याय को अपने मार्गदर्शक सिद्धांत मानते हुए हमें प्रारंभ करना होगा। हमें आशा है कि जलवायु परिवर्तन के खिलाफ संघर्ष दुनिया को एक परिवार के रूप में एकजुट करेगा। ■

प्रधानमंत्री ने वाराणसी में 'काशी तमिल संगमम्' का किया उद्घाटन

'काशी और तमिलनाडु हमारी संस्कृति और सभ्यताओं के कालातीत केंद्र हैं'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 नवंबर को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक महीने तक चलने वाले कार्यक्रम 'काशी तमिल संगमम्' का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के दो सबसे महत्वपूर्ण और प्राचीन शिक्षा केंद्रों, तमिलनाडु और काशी के बीच सदियों पुराने संबंधों का उत्सव मनाना, फिर से इसे मजबूत करना और खोज करना है। तमिलनाडु से 2500 से अधिक प्रतिनिधि काशी की यात्रा करेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने एक पुस्तक 'तिरुक्कुरल' का 13 भाषाओं में इसके अनुवाद के साथ विमोचन भी किया। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम का अवलोकन करने के बाद आरती भी देखी।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, डॉ. एल. मुरुगन और सांसद श्री इलैयाराजा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने दुनिया के सबसे प्राचीन जीवंत शहर में आयोजित सभा पर प्रसन्नता व्यक्त की। देश में संगमों के महत्व पर विचार व्यक्त करते हुए श्री मोदी ने कहा कि चाहे वह नदियों, विचारधारा, विज्ञान या ज्ञान का संगम हो, भारत में संस्कृति और परंपराओं के हर संगम का उत्सव मनाया जाता और सम्मानित किया जाता है। उन्होंने कहा कि वास्तव में यह भारत की शक्ति और विशेषताओं का उत्सव है और इस प्रकार यह काशी-तमिल संगम को अद्वितीय बनाता है।

श्री मोदी ने काशी और तमिलनाडु के बीच संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि काशी जहां एक ओर भारत की सांस्कृतिक राजधानी है, वहीं तमिलनाडु और तमिल संस्कृति भारत की प्राचीनता और गौरव का केंद्र है। गंगा और यमुना नदियों के संगम की तुलना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी-तमिल संगम समान रूप से पवित्र है जिसमें अनंत अवसर और शक्तियां समाहित हैं।

काशी जहां एक ओर भारत की सांस्कृतिक राजधानी है, वहीं तमिलनाडु और तमिल संस्कृति भारत की प्राचीनता और गौरव का केंद्र है। गंगा और यमुना नदियों के संगम की तुलना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी-तमिल संगम समान रूप से पवित्र है जिसमें अनंत अवसर और शक्तियां समाहित हैं

श्री मोदी ने रेखांकित किया कि काशी व तमिलनाडु हमारी संस्कृति और सभ्यता के कालातीत केंद्र हैं। उन्होंने बताया कि संस्कृत और तमिल दोनों सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक हैं जिनका वर्तमान में अस्तित्व मौजूद है। श्री मोदी ने कहा कि काशी में हमारे पास बाबा विश्वनाथ हैं, जबकि तमिलनाडु में हमारे पास भगवान रामेश्वरम का आशीर्वाद है। काशी और तमिलनाडु दोनों शिव की भक्ति में डूबे हुए हैं। उन्होंने कहा कि चाहे संगीत हो, साहित्य हो या कला, काशी और तमिलनाडु सदैव कला के स्रोत रहे हैं।

श्री मोदी ने भारत की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये दोनों स्थान भारत के श्रेष्ठतम आचार्यों की जन्मस्थली और कर्मभूमि के रूप में पहचाने जाते हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि काशी और तमिलनाडु में समान ऊर्जा का अनुभव किया जा सकता है। श्री मोदी ने कहा कि पारंपरिक तमिल विवाह बारात के दौरान आज भी काशी यात्रा का जिक्र होता है। उन्होंने रेखांकित किया कि तमिलनाडु का काशी के प्रति असीम प्रेम 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को प्रदर्शित करता है जो हमारे पूर्वजों की जीवनशैली थी।

प्रधानमंत्री ने इस बात को रेखांकित किया कि काशी-तमिल संगम आजादी का अमृत काल के दौरान हो रहा है। श्री मोदी ने कहा कि अमृत काल में हमारे संकल्प समूचे देश की एकता से पूरे होंगे। उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसा राष्ट्र है, जो हजारों वर्षों से सहज सांस्कृतिक एकता में जी रहा है।

सुबह उठकर 12 ज्योतिर्लिंगों का स्मरण करने की परंपरा पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने कहा कि हम अपने दिन की शुरुआत देश की आध्यात्मिक एकता की याद से करते हैं। उन्होंने कहा कि काशी-तमिल संगमम् हमें हमारे कर्तव्यों का बोध कराने और राष्ट्रीय एकता को मजबूती प्रदान करने की ऊर्जा के स्रोत के रूप में आज इस संकल्प का मंच बनेगा। ■

अरुणाचल प्रदेश में पहले ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे 'डोनी पोलो हवाई अड्डा, ईटानगर' का उद्घाटन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 नवंबर को डोनी पोलो हवाई अड्डा, ईटानगर का उद्घाटन किया। इस हवाई अड्डे का शिलान्यास श्री मोदी ने स्वयं फरवरी, 2019 में किया था। इस दौरान कोविड महामारी की चुनौतियों के बावजूद इस हवाई अड्डे का कार्य बहुत कम समय में पूरा किया गया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि डोनी पोलो हवाई अड्डा अरुणाचल प्रदेश के लिए चौथा परिचालित हवाई अड्डा होगा, इससे पूर्वोत्तर क्षेत्र में हवाई अड्डों की कुल संख्या 16 हो जाएगी। 1947 से 2014 तक इस पूर्वोत्तर क्षेत्र में केवल 9 हवाई अड्डे बनाए गए थे, लेकिन पिछले आठ वर्षों की छोटी सी अवधि में ही पूर्वोत्तर में सात हवाई अड्डे बनाए गए हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि पूर्वोत्तर भारत को जोड़ने वाली उड़ानों की संख्या भी दोगुनी हो गई है। श्री मोदी ने कहा कि डोनी पोलो हवाई अड्डा अरुणाचल प्रदेश के इतिहास और संस्कृति का साक्षी बन रहा है। इस हवाई अड्डे के नामकरण पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 'डोनी' का अर्थ सूर्य है जबकि 'पोलो' का अर्थ है चंद्रमा। श्री मोदी ने सूर्य और चंद्रमा की रोशनी की तुलना राज्य के विकास से करते हुए कहा कि हवाई अड्डे का विकास उतना ही जरूरी है जितना गरीबों का विकास।

यह हवाई अड्डा, अरुणाचल प्रदेश का पहला ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा है, जिसे 690 एकड़ से भी अधिक क्षेत्र में विकसित किया गया है और इसके निर्माण पर 640 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है। इस हवाई अड्डे में 2300 मीटर रनवे है और यह सभी प्रकार मौसम में संचालन के लिए उपयुक्त है। हवाई अड्डा टर्मिनल एक आधुनिक भवन है, जो ऊर्जा दक्षता, नवीकरणीय ऊर्जा और संसाधनों के रिसाइक्लिंग को बढ़ावा देता है।

ईटानगर में इस नए हवाई अड्डे के विकास से न केवल क्षेत्र की कनेक्टिविटी में सुधार होगा, बल्कि यह व्यापार और पर्यटन के विकास के लिए एक प्रेरक के रूप में भी कार्य करेगा तथा इससे क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि पांच पूर्वोत्तर राज्यों— मिजोरम, मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड के हवाई अड्डों ने 75 सालों में पहली बार उड़ानें शुरू की हैं। पूर्वोत्तर में विमानों की आवाजाही में भी वर्ष 2014 के बाद से 113 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जो वर्ष 2014 में 852 प्रति सप्ताह से बढ़कर वर्ष 2022 में 1817 प्रति सप्ताह तक पहुंच गई है। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता					
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/- ☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/- ☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

बेंगलुरु में 11 नवंबर, 2022 को नादप्रभु केम्पेगौड़ा की 108 फीट की कांस्य प्रतिमा के अनावरण समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

ईटानगर (अरुणाचल प्रदेश) में 19 नवंबर, 2022 को पहले ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे 'डोनी पोलो' का उद्घाटन करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

वाराणसी में 19 नवंबर, 2022 को काशी–तमिल संगमम का उद्घाटन करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

बाली (इंडोनेशिया) में 16 नवंबर, 2022 को इंडोनेशिया के राष्ट्रपति श्री जोको विडोडो ने जी20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता को प्रतीकात्मक रूप से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को सौंपा

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh @KamalSandesh
kamal.sandesh KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली "रजिस्टर्ड"
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह